दैनिक

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना से प्रकाशित

अंक: 160

वर्ष : 04

मूल्य : 02

पृष्ठ : 06

रविवार, 26 जनवरी 2025

दैनिक हिन्दी डिजिटल अखबार

web_dainikbiharpatrika.com

सुविचार

लोग क्या कहेंगे, अगर ये सोचकर आप कुछ नही कर रहे तो आप जीवन की पहली परीक्षा में हार गये।

26 जनवरी आज, कर्तव्य पथ परेड के स्वागत को तैयार

आज दुनिया भारत की सांस्कृतिक विविधता और सैन्य कौशल को देखेगी

नई दिल्ली

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी की सुबह दुनिया भारत की सांस्कृतिक विविधता और सैन्य कौशल को देखेगी। इस साल गणतंत्र दिवस पर संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने और जनभागीदारी पर विशेष फोकस किया है। समारोह के मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोलो सुबियंतो होंगे। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के अनुसार, इंडोनेशिया से 160 सदस्यीय मार्चिंग दल और 190 सदस्यीय बैंड दल भारतीय सशस्त्र बलों की टुकड़ियों के साथ कर्तव्य पथ पर परेड में हिस्सा लेंगे। विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों की 31 झांकियां भाग लेंगी। झांकियों की विषय वस्तु 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' है। राष्ट्रगान के बाद भारतीय संविधान के 75वें वर्ष के आधिकारिक लोगो के बैनर वाले गुब्बारे छोड़े जाएंगे। कार्यक्रम का समापन 47 विमानों के फ्लाईपास्ट के साथ होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुबह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ गणतंत्र दिवस परेड की शुरुआत होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पारंपरिक बग्गी में कर्तव्य पथ पर पहुंचेगी और एक औपचारिक मार्च पास्ट के दौरान सलामी लेंगी। इसमें

सशस्त्र बल, अर्धसैनिक बल, सहायक नागरिक बल, एनसीसी और एनएसएस की इकाइयां शामिल होंगी। राष्ट्र और समाज निर्माण में विशेष योगदान करने वालों को सम्मानित करने के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के विशेष मेहमानों को इस कार्यक्रम को देखने के लिए सरकार के विशेष मेहमानों के रूप में आमंत्रित किया गया है। गणतंत्र दिवस परेड की शुरुआत देश के विभिन्न हिस्सों के 300 सांस्कृतिक कलाकार 'सारे जहां से अच्छा' संगीत वाद्य यंत्र बजाते हुए करेंगे। संस्कृति मंत्रालय संगीत नाटक अकादमी के माध्यम से 'जयति जया ममः भारतम' शीर्षक से 5000 कलाकारों के साथ 11 मिनट के सांस्कृतिक प्रदर्शन का आयोजन करेगा। गणतंत्र दिवस समारोह का समापन 'बीटिंग रिट्रीट समारोह' के साथ होगा। यह समारोह 29 जनवरी को विजय चौक पर होगा। दिल्ली में बीटिंग रिट्रीट के दिन शाम को 6:15 बजे बिगुल बजाकर राष्ट्रीय ध्वज को झुका दिया जाएगा। संगीतमय धुन में राष्ट्रगान गाया जाएगा। गणतंत्र दिवस समारोह का गवाह बनने के लिए राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता के फाइनलिस्ट विद्यार्थियों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। फाइनलिस्ट टीमों में से झारखंड की लड़कियों की एक टीम राष्ट्रपति के मंच के सामने प्रदर्शन करेगी और दो टीमें विजय चौक के पास कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के साथ प्रदर्शन करेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने आवास पर गणतंत्र दिवस समारोह के एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम कैडेट्स, झांकी कलाकारों और जनजातीय अतिथियों आदि से मुलाकात कर चुके है। दिल्ली कैंट स्थित करियप्पा परेड ग्राउंड में 27 जनवरी को 'युवा शक्ति-विकसित भारत' की थीम पर एनसीसी रैली भी होनी है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी एनसीसी की विविध गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। मेट्रो और डीटीसी की फेरी सेवाः 26 जनवरी की सुबह 04:00 बजे से पूरी दिल्ली में दिल्ली मेट्रो का परिचालन शुरू होगा। दिल्ली मेट्रो के पार्किंग स्थल पूरे दिल्ली में नियमित दरों पर शुल्क के आधार पर खुलेंगे। पार्क और राइड योजना की सुविधा इस वर्ष भी रहेगी। आमंत्रित अतिथि अपने वाहन पालिका पार्किंग, कनॉट प्लेस और जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के पार्किंग क्षेत्र (गेट-14 और 15) में पार्क कर सकेंगे। यहां से वह डीटीसी बसों के माध्यम से फेरी सेवाओं (पिक एंड ड्रॉप) का उपयोग करेंगे। फेरी सेवाएं सुबह 6:00 बजे शुरू होंगी और 8:30 बजे बंद हो जाएंगी।

गणतंत्र दिवस 2025 : 942 कर्मचारियों को बहादुरी और सेवा पदक, 5 को मरणोपरांत सम्मान

नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर केंद्र सरकार ने 942 कर्मचारियों को बहादुरी और सेवा पदक से सम्मानित करने की घोषणा की। ये कर्मचारी पुलिस, आग सेवा, होम गार्ड, सिविल डिफेंस (HG&CD) और सुधारात्मक सेवाओं में कार्यरत हैं। इनमें से 5 कर्मचारियों को मरणोपरांत बहादुरी पदक दिया गया है जिनमें पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुज़म्मिल(जम्मू और कश्मीर पुलिस), हेड कांस्टेबल गिरिजेश कुमार उद्दे (सीमा सुरक्षा बल), कांस्टेबल सुनील कुमार पांडेय (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल), हेड कांस्टेबल रवि शर्मा (सशस्त्र सीमा बल) और चयन ग्रेड फायरमैन सतीश कुमार रैना शामिल हैं। कुल मिलाकर 95 बहादुरी पदक, 101 राष्ट्रपति पदक और 746 मेरिटोरियस सर्विस मेडल (MSM) दिए गए हैं। इन पुरस्कारों के माध्यम से उन कर्मियों को सम्मानित किया गया है जिन्होंने साहसिक कार्य किए और सेवा में उत्कृष्टता प्रदर्शित की। बहादुरी पदक उन कर्मियों को दिए गए हैं जिन्होंने जीवन और संपत्ति को बचाने, अपराधों को रोकने या अपराधियों को पकड़ने के दौरान असाधारण साहस का प्रदर्शन किया। इन 95 बहादुरी पदकों में से 28 कर्मी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, 28 जम्मू और कश्मीर, 3 उत्तर-पूर्व और 36 अन्य क्षेत्रों से हैं। इन बहादुरी पुरस्कारों में से 78 पुलिस सेवा के कर्मियों को और 17 आग सेवा के कर्मियों को सम्मानित किया गया है। वहीं राष्ट्रपति पदक कुल 101 कर्मियों को दिए गए हैं, जिनमें 85 पुलिस सेवा, 5 आग सेवा, 7 सिविल डिफेंस और होम गार्ड सेवा और 4 सुधारात्मक सेवा के कर्मी शामिल हैं। मेरिटोरियस सर्विस मेडल कुल 746 कर्मचारियों को दिया गया है जिनमें से 634 पुलिस सेवा, 37 आग सेवा, 39 सिविल डिफेंस और होम गार्ड सेवा, और 36 सुधारात्मक सेवा के कर्मी शामिल हैं।

इन पुरस्कारों का उद्देश्य उन कर्मचारियों की बहादुरी, समर्पण और सेवा को सम्मान देना है जिन्होंने देश की सुरक्षा और भलाई के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन उत्कृष्टता के साथ किया है।

तीन दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

निशुल्क चिकित्सीय सुविधा व चिकित्सा जांच करने पहुंचे लोग

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी/ रोहतास। शहर के स्टेशन रोड स्थित झुनझुनवाला वाटिका में कंचन सेवा संस्थान के तत्वाधान में बिहार प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सहयोग से प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का शुभारंभ डॉक्टर शालू अग्रवाल डॉक्टर छैल बिहारी शर्मा, संत शर्मा, पार्षद श्रवण कुमार अटल, उमा पासवान, वेद प्रकाश शर्मा, पार्षद मंजू के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में उपस्थित चिकित्सकों ने कहा कि मानव जीवन में सभी प्रकार के व्यवसाय व नौकरी करते हुए सामाजिक कार्य करना सबकी जिम्मेवारी है। ऐसे में संस्थान के द्वारा लोगों के निःशुल्क जांच के साथ कुछ आवश्यक दवाएं भी निः शुल्क दी जा रही है। ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा मिल सके। चिकित्सा शिविर में विभिन्न प्रकार के रोग से संबंधित जांच व चिकित्सीय सलाह दी गई। प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में मुख्य रूप से अभिनव कला संगम अध्यक्ष कमलेश सिंह, सचिव विनय मिश्रा, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता शिवप्रसाद, अनिल कुमार, जितेंद्र तिवारी, संजय गुप्ता, आशुतोष तिवारी, गौतम पंडित, ज्ञान प्रकाश शर्मा, कमल डालमिया, ज्ञानेश्वरी मेघवाल, लक्ष्मी मेघवाल, सोनू मेघवाल, पार्वती मेघवाल, नेहा अग्रवाल, प्रभु कुमार इत्यादि शामिल थे। आयोजकों ने बताया कि यह प्राकृतिक चिकित्सा शिविर 25 जनवरी से 27 जनवरी तक रहेगा।

फाइनेंस कर्मी से लूट मामले में पुलिस ने महज़ चार दिनों पर्दाफाश कर तीन अपराधियों को किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल । जिले के जदिया के थाना क्षेत्र अंतर्गत पिलुवाहा में आरोहण फाइनेंस कर्मी से हथियार का भेय दिखाकर मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने कलेक्शन का 14150 रुपया तथा अन्य सामान लूट लिया गया था, जिस संदर्भ में फाइनेंस कमी के द्वारा जदिया थाना में कांड संख्या 12/25 दर्ज कराया गया था, इस घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पदाधिकारी के निर्देशानुसार जदिया थाना प्रभारी राजीव कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है, गिरफ्तार अपराधी की पहचान शंकर कुमार पिता मुकेश यादव नवढी गुड़िया वार्ड नंबर 8 थाना जदिया दूसरा सौरभ कुमार पिता सुबोध यादव साकीन कुकुरधारी वार्ड नंबर 10 थाना त्रिवेणीगंज, तीसरा विपिन कुमार पिता राजेश यादव वार्ड नंबर 8 थाना जदिया के रूप में हुई है, पुलिस ने तीनों अपराधियों से लूट गए ₹3500 घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल की लूट गए अन्य सामान भी बरामद की है, पुलिस के मुताबिक तीनों अपराधियों ने अपना जुल्म भी कबूल किया है, इस बाबत जदिया थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि बीते 22 जनवरी 2025 को थाना क्षेत्र के पिलुवाहा में आरोहण फाइनेंस कंपनी से हथियार का भेय दिखाकर तीन अज्ञात मोटरसाइकिल सवार अपराधियों के द्वारा कलेक्शन का रुपया, एवं अन्य सामान लूट लिया गया था, घटना की सफल उद्वेदन कर तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर न्याय हिरासत में भेजा जा रहा है,पुलिस की गिरफ्त में आए तीनों अपराधियों का पुराना आपराधिक इतिहास खंगाले जा रहा है,

नाबालिक बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में लूटे मोबाइल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका। बीते 22 जनवरी को आनंदपुर थाना क्षेत्र में एक मनचले युवक द्वारा एक नाबालिक बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देकर बच्ची के पास रखे मोबाइल को लेकर फरार हो गया था। इसके बाद कटोरिया थाना के अलावा बेलहर अनुमंडल पदाधिकारी राजकिशोर कुमार सहित आनंदपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार घटना की तहकीकात में जुट गया था। जिसकी सफलता शनिवार को मिल गई है । बताया गया कि घटना में शामिल आरोपित को मोबाइल के साथ बांका से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक बांका थाना क्षेत्र के केमोसार गांव के भैरो राय बताया गया। मामले को लेकर बेलहर एसडीपीओ राजकिशोर कुमार द्वारा कटोरिया थाना स्थित एसडीपीओ कार्यालय में प्रेस कान्फ्रेंस कर जानकारी दी गई। मौके पर आनंदपुर थानाध्यक्ष बिपिन कुमार , अनि पम्मी कुमारी, गोस्वामी सोनाली कुमारी अन्य मौजूद थे। एसडीपीओ ने बताया कि आरोपित के पास से एक मोबाइल बरामद किया गया। गत 22 जनवरी को आनंदपुर थाना क्षेत्र के एक किशोरी साइकिल द्वारा अपनी नानी घर से अकेली अपने घर जा रही थी। इस दौरान रास्ते में जोगमारण जंगल के समीप घात लगाकर बैठे एक मनचले युवक ने किशोरी का मुंह दाबकर बगल के एक खेत में ले गया। जहां दुष्कर्म की घटना को अंजाम देते हुए भाग निकला था। किशोरी के मां के द्वारा थाना में आवेदन देकर केस दर्ज कराई गई थी। जिसको लेकर टीम गठित कर लगातार पुलिस छापेमारी कर रहे थे ।

उधार पैसे मांगने गए महिला के साथ किया मारपीट

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका। आनंदपुर थाना क्षेत्र के बाराटांड़ गांव निवासी 45 वर्षीय मंजू देवी पति कैलाश राउत ने आनंदपुर थाना में चार व्यक्ति के खिलाफ मारपीट एवं लूटपाट करने के मामले में आवेदन देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। आवेदन में बताया कि गांव के नीतीश कुमार पिता भुनेश्वर राउत साकिन बाराटांड़ ने मेरे दुकान से ₹4000 का राशन उधार ले गया था। पैसे मांगने पर बार-बार टाल मटोल कर रहे थे। इसी बीच शनिवार की सुबह 7:00 पैसे मांगने पर नितेश कुमार के साथ चंदन कुमार, भगत यादव एवं अनीता देवी जबरन मेरे घर घुसकर लूटपाट करने लगा, विरोध करने पर उक्त सभी चारों ने मिलकर बहु एवं बेटी के साथ मुझे भी मारपीट करने लगे जिससे मैं चोटिल हो गई, इसी बीच चंदन कुमार आपत्तिजनक व्यवहार करते हुए बदन का कपड़ा फाड़ दिया। इस संबंध में आनंदपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

एक नज़र इधर भी

सुरक्षित शनिवार के तहत राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। प्रखंड मुख्यालय स्थित कन्या मध्य विद्यालय चान्दन परिसर में प्रधानाध्यापक आदित्य कुमार के नेतृत्व में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत 25 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर बच्चों के बीच विभिन्न प्रकार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में निबंध प्रतियोगिता,भाषण प्रतियोगिता, सूई धागा दौड़, चम्मच-गुल्ली दौड़, रंगोली प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विद्यालय की बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तथा इस प्रतियोगिता में विजई प्रतिभागी बच्चों को विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित किया जाएगा। तथा बच्चों की उज्जवल भविष्य का शुभकामना दिए। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक आदित्य कुमार सहायक शिक्षक अवधेश कुमार शिक्षिका नीलम कुमारी आदि शिक्षिका के आलावा छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र में कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण ढंग से करायी गयी परीक्षा

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। शनिवार को कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र एंजेल कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर बौंसी में बिहार कौशल विकास मिशन अंतर्गत कुशल युवा कार्यक्रम कोर्स में बी एस सी आई टी, बी एस सी एल एस, बी एस सी एस एस, विषय पर संपन्न हुए प्रशिक्षण का मूल्यांकन हेतु जुलाई एवं सितम्बर 2024 बैच का परीक्षा बिहार कौशल विकास मिसन के तत्वाधान में एम के सी एल के द्वारा आयोजित किया गया। इस मूल्यांकन सत्र मे कुल 17 प्रशिक्षुओ ने भाग लेते हुए कंप्यूटर पर ऑनलाइन परीक्षा दिया। परीक्षा कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण ढंग से करायी गयी। मौके पर संसथान के निदेशक,कुमार चंदन, शिक्षिका शालू कुमारी, प्रबंधक अंकिता शर्मा सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र में मनाई गई भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र एंजेल कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर बौंसी एवं कुशल युवा केंद्र कार्यक्रम बाराहाट में भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संसथान के डायरेक्टर कुमार चंदन, सोनू कुमार विश्वकर्मा, प्रबीर कुमार, शालू कुमारी एवं अंकिता शर्मा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात् उनके तैल चित्र पर पुष्पार्चन किया गया। कार्यक्रम संसथान के संरक्षक मदन मेहरा एवं रमेश शर्मा की उपस्थिति में आयोजित की गयी। मौके पर डायरेक्टर कुमार चंदन ने छात्र एवं छात्राओं को संबोधित किया और जननायक कपूरी ठाकुर जी के जीवनी पर प्रकाश डाला। साथ ही छात्र-छात्राओं के बीच राष्ट्रीय बालिका दिवस पर संबोधन करते हुए कहा कि, नारी सशक्तिकरण बहुत ही जरूरी है, इस ओर हम सब को एकजुट होकर ध्यान देना होगा। नारी उत्पीड़न को रोकना होगा। क्योंकि नारी की रक्षा हमारा कर्तव्य है। साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही मुहिम, ₹बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ₹ पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर करुणा कुमारी, अर्चना सिंह,शिवानी कुमारी,आँचल कुमारी,मो सुफियान, अमित कुमार, मौसम गुप्ता, अभय कुमार,छोटी कुमारी,करन्देव कुमार ठाकुर,जीतेन्द्र कुमार, कुंदन कुमार, कौशल कुमार, मो शाफिउल्ल्हा अंसारी, मिथलेश कुमार, नीरज कुमार, निशा कुमारी, सागर कुमार, शिवम् कुमार, सौरव कुमार, सूरज कुमार, तूफ़ान कुमार, ख़ुशी वर्मा, हरिओम, अमित कुमार, आयुष कुमार, अमित कुमार, सोनु कुमार, अनुज कुमार, बिट्टू कुमार, शिवानी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, ख़ुशी कुमारी, मुस्कान कुमारी, सपना कुमारी, सत्यम कुमार, विजय कुमार, विरेन्द्र कुमार, अंशिका भारती, ब्यूटी कुमारी, जीनियस कुमार,मो अरशद आलम, नयन कुमार सिंह, रेशमी प्रिया, सुमन कुमारी, सहित काफी संख्या में छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बांका के डीएम अंशुल कुमार को मिला सर्वश्रेष्ठ जिला निर्वाचन पदाधिकारी का सम्मान

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। शनिवार को 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर बिहार के अधिवेशन भवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में बांका के जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार को सर्वश्रेष्ठ जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डी ई ओ) के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के सफलतापूर्वक और कुशलतापूर्वक समापन के लिए प्रदान किया गया। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार ने अपने नेतृत्व में न केवल निर्वाचन प्रक्रिया को समयबद्धता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता के साथ पूरा किया, बल्कि इसे वित्तीय प्रबंधन और संसाधनों के उचित उपयोग का एक आदर्श उदाहरण भी बना दिया। उनके प्रयासों से जिले में चुनाव कार्य को न्यूनतम खर्च में पूर्ण कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की गई। उनकी योजनाबद्ध रणनीतियों और उत्कृष्ट प्रबंधन ने इस प्रक्रिया को सभी मापदंडों पर सफल बनाया।

मुख्य सचिव, बिहार ने किया सम्मानित:
समारोह के मुख्य अतिथि, बिहार के मुख्य सचिव ने अंशुल कुमार को यह पुरस्कार प्रदान करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, डीएम बांका, अंशुल कुमार जैसे सक्षम अधिकारियों के प्रयासों से ही लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाया जा सकता है। उनका कार्य अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पुरस्कार राशि के साथ मिला प्रशस्ति पत्र:
सम्मान समारोह में अंशुल कुमार को पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। यह पुरस्कार बांका जिले के लिए गर्व का क्षण है और यह सिद्ध करता है कि जब प्रशासनिक नेतृत्व प्रभावी और दूरदर्शी हो, तो किसी भी चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है।

बांका जिले के लिए गौरव का क्षण:
यह सम्मान न केवल जिला पदाधिकारी, बांका की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि बांका जिले के हर नागरिक और निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल सभी कर्मियों की मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है। इनकी इस उपलब्धि ने जिले को पूरे राज्य में विशिष्ट स्थान दिलाया है।

एक प्रेरणादायक उदाहरण:
अंशुल कुमार की यह सफलता दर्शाती है कि समर्पण, अनुशासन और कुशल प्रबंधन के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को किस तरह प्रभावी बनाया जा सकता है।
उनकी इस उपलब्धि ने न केवल बांका जिले को गौरवान्वित किया है, बल्कि पूरे राज्य में प्रेरणा का संचार किया है।
इस सम्मान ने यह साबित कर दिया है कि जब प्रशासनिक अधिकारी अपने कार्यों के प्रति ईमानदारी और प्रतिबद्धता से काम करते हैं, तो वे न केवल जनता का विश्वास अर्जित करते हैं, बल्कि लोकतंत्र को भी मजबूत बनाते हैं।

विप सभापती से मिला अभिनव कला संगम कि टीम बैठक कर सदस्यों ने आगामी योजना पर की चर्चा

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी/रोहतास। देश कि चर्चित साहित्य व सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम कि एक टीम ने विधान परिषद सभापति कक्ष पटना मे मिलकर संस्था का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ हीं सभापति को कई संस्थागत जानकारी दी। संस्था के अध्यक्ष कमलेश कुमार ने सभापति को बताया कि संस्था द्वारा सालों भर सामाजिक कार्य किए जाते हैं। तथा जून व दिसंबर में राष्ट्रीय स्तर के नाट्य प्रतियोगिता व सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया जाता है। जिसमें देश के कई राज्यों के पांच सौ से अधिक नामचीन कलाकार भाग लेते हैं। मानक के अनुसार संस्थागत कार्यों को देखते हुए सरकार अकस के सांस्कृतिक महोत्सव को राजकीय महोत्सव का दर्जा प्रदान करें। सभापति अवधेश नारायण सिंह ने अकस को हर संभव सहयोग का अश्वासन दिया। पटना से लौटने के बाद डालमियानगर ड्रीम हाउस मे अभिनव कला संगम सदस्यों ने बैठक कर संस्था के आगामी कार्यक्रम झंडातोलन, होली मिलन समारोह, रक्तदान शिविर आदि पर चर्चा की।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेवारी दी गई। सचिव विनय कुमार, निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, कोषाध्यक्ष शिव गुप्ता, महासचिव प्रो रणधीर सिन्हा, उपाध्यक्ष सिमल सिंह, संतोष राय समृद्धि, शंभू गुप्ता, संजय कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

पिछड़ों को हक और अधिकार दिलाने में कर्पूरी ठाकुर का योगदान अहम है। इसे कभी नहीं भुलाया जा सकता है - राजु वर्णवाल

दैनिक बिहार पत्रिका

गया । गया जीबी रोड स्थित स्थित जदयू महानगर कार्यालय में जिलाध्यक्ष महानगर जदयू गया राजकुमार प्रसाद उर्फ राजू बरनवाल एवं जदयू के पदाधिकारी गणों के साथ बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और स्वतंत्रता सेनानी कर्पूरी ठाकुर जी की 101 वीं जयंती मनाई गई है। इस दौरान बरनवाल एवं जदयू के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने जननायक कर्पूरी ठाकुर के तैलिय चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए हैं। उनके कार्यों को लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम के दौरान बरनवाल ने कहा कि वे समाज के पुरोधा, सादगी की मिशाल थे, वे सच में जनता के नायक थे। बिहार में गरीबों दलितों और पिछड़ों को हक और अधिकार दिलाने में कर्पूरी ठाकुर जी का योगदान अहम है। इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कार्यशैली उनसे हद तक मिलती है और उनके आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि कर्पूरी के सपनों का शत-प्रतिशत धरातल पर उतारने का काम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने किया है। अति पिछड़ा वर्ग समुदाय के लिए अनेकों जन कल्याणकारी योजना का शुरुआत कर विकास के मुख्य धारा में जोड़ा गया है। जननायक कर्पूरी ठाकुर अत्यंत पिछड़ा आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालय खोला गया है। मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग छात्रावास अनुदान योजना अंतर्गत संचालित छात्रावासों में आवासीय छात्र-छात्राओं को खदान, गेंहू एवं चावल की आपूर्ति कि जा रही है। जदयू के पदाधिकारीगणों ने भी कर्पूरी जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन सत्य और सादगी का एक प्रतिमूर्ति है। उन्होंने अपनी जीवन काल में हमेशा गरीब शोषित वंचित के हक और उनके अधिकार के लिए आवाज बनकर लड़ते रहे। अपने जीवन के अंत तक में भी विरासत के रूप में अपने परिवार को देने के लिए एक मकान भी नहीं था। कर्पूरी जी देश के सच्चे लाल थे। वह सच्चे समाजवाद के प्रणेता रहे।सबों को उनकी जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इस कार्यक्रम में मगध प्रभारी अरुण कुशवाहा ,नगर प्रभारी अरमान उर्फ गुड्डू , लालजी प्रसाद, शंभू अग्रवाल, अमर दास, अजीत जैन, बम बम चंद्रवंशी, गोपाल प्रसाद, अमर चंद्रवंशी, ओम प्रकाश, राजकुमार शर्मा, श्याम प्यारे, बादशाह, श्रीकांत प्रसाद, वीरू कुमार, शिवकुमार, डॉ एसके सिन्हा, मिंता देवी, ललिता देवी, मानिकचंद गुप्ता सहित सैंकड़ों पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही है।

पूर्वांचल वासियों ने ठाना है दिल्ली को माफिया मुक्त बनाना है

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। दिल्ली विधान सभा चुनाव को लेकर गया जी से पूर्वांचल वासियों को मतदान करने के लिए और पूर्वांचल वासियों को माफिया मुक्त बनाने के लिए वरिष्ठ नेता अनिल स्वामी एवं अनंत धीश अमन दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचार प्रसार कर रहे हैं।भारतीय जनता के राष्ट्रीय सचिव सह बिहार प्रेदश के प्रभारी विनोद तावड़े भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी सह बिहार विधान पार्षद के सदस्य संजय मयुख ने हम सभी का उत्साहवर्धन करते हुए मार्ग प्रशस्त किया है।इस बार दिल्ली विधानसभा वासियों ने ठाना है कि दिल्ली को दिल्ली वालों ने ठान लिया है दारू माफिया के आपदा से छुटकारा पाना है । अबकी बार भाजपा सरकार लाना है।

कर्पूरी ठाकुर बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध थे- मनीष पंकज मिश्रा

दैनिक बिहार पत्रिका/ धीरज

गया। भारत रत्न से सम्मानित जन-जन के प्रिय नेता बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की 101बी जयंती के अवसर पर कर्पूरी सभागार में स्थापित प्रतिमा पर भाजपा किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने उनके प्रतिमा पर माला और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी है। इस अवसर पर डॉ. मिश्रा ने कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा जनसेवा और समर्पण के कार्यों को याद करते हुए कहा कि वे गरीबों, वंचितों और शोषितों की आवाज थे। उनका जीवन संघर्ष, सादगी और ईमानदारी का प्रतीक था।कर्पूरी ठाकुर जी बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाए। विशेष रूप से, पिछड़े और दलित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए उन्होंने आरक्षण नीति लागू की, जो सामाजिक न्याय की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल थी। इस अफसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने कहा कर्पूरी ठाकुर जी का जीवन हर व्यक्ति के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने न केवल अपनी सादगी से जनता का दिल जीता, बल्कि अपनी नीतियों से समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त किया। उनके नेतृत्व में बिहार में सामाजिक समरसता और विकास को प्राथमिकता दी गई। यह भी कहा कि कर्पूरी ठाकुर का योगदान केवल बिहार तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने पूरे देश को सामाजिक न्याय और समानता का संदेश दिया है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि हम सब उनके आदर्शों पर चलकर समाज के हर वर्ग को समान अधिकार और सम्मान दिलाने की दिशा में काम करें। उनका जीवन और कृतित्व हमें सिखाता है कि सच्ची राजनीति वही है, जिसमें जनसेवा सर्वोपरि हो। भाजपा मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर ने कहा जन-जन के नेता वंचित शोषित और गरीबों की आवाज गुडरी के लाल जननायक कर्पूरी ठाकुर के देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री से नरेंद्र भाई मोदी के द्वारा भारत रत्न से 100बी जयंती पर से सम्मानित होना गौरव की बात है उनका त्याग ईमानदारी और सादगी प्रेरणादायक है उपस्थित नेताओं ने जिला प्रशासन से मांग करते हैं कि गया शहर के प्रमुख चौराहे पर जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का प्रतिमा स्थापित की जाए आज के कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर जिला महामंत्री गोपाल प्रसाद यादव भाजपा नेता राणा रणजीत सिंह दीपक पांडे सुनील बंबईया बबलू गुप्ता सुनील सिन्हा कर्पूरी ठाकुर विचार मंच के अध्यक्ष नीतू ठाकुर भोला सरकार

मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा की तैयारी के तहत सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा की तैयारी के तहत शनिवार को पुलिस अधीक्षक बांका के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान उनके द्वारा वहां उपस्थित पदाधिकारी से जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी, बांका, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, बांका सहित अन्य पुलिस अधिकारी आदि उपस्थित थे।

ऊर्जा राज्य मंत्री के द्वारा ओढ़नी डैम और बाबर चक में बन रहे स्मार्ट विलेज का किया गया निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। श्रीपद एसो नायक ऊर्जा और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री के द्वारा ओढ़नी डैम और बाबर चक में बन रहे स्मार्ट विलेज का शनिवार को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उनके द्वारा सभी कार्यों देखते हुए प्रसन्नता व्यक्त किया गया। स्मार्ट विलेज में आवास निर्माण कार्य को देखते हुए उनके द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए लाभुकों से वार्ता किया गया। स्मार्ट विलेज में निर्मित हाट, खेल मैदान, तालाब आदि कार्यों का जायजा लिया गया। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का लाभ अधिक से अधिक लाभुकों को मिले इसके लिए उनके द्वारा वहां उपस्थित पदाधिकारीयों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

मतदान का अधिकार हम लोगों को एकजुट करके रखा है:- अपर समाहर्ता ,बांका

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। शनिवार को 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2025 के अवसर पर अपर समाहर्ता , बांका की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया चंद्रशेखर भवन टाउन में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम अपर समाहर्ता एवं पुलिस उपाधीक्षक सहित अन्य पदाधिकारियों को पौधा देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त का प्रोजेक्टर के माध्यम से संदेश सुनाया गया। अपर समाहर्ता द्वारा अपने संबोधन में मतदान के अधिकार पर बात करते हुए कहा कि मतदान का अधिकार हम लोगों को एकजुट करके रखा है। हमारे यहां एक निष्पक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया है जिसके तहत हर 5 साल में हम लोग जनप्रतिनिधि का चुनाव करते हैं। लोकतंत्र में भागीदारी के लिए निर्वाचक सूची में नाम सम्मिलित होना आवश्यक है। निर्वाचक सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 अंतर्गत निर्वाचक सूची का प्रारूप प्रकाशन 29.10.2024 को किया गया। प्रारूप सूची में बाँका जिले में पुरुष मतदाता 793434 एवं महिला मतदाता 706480 तथा उभयलिंग मतदाता 04 था। 07 जनवरी 2025 को निर्वाचक सूची का अंतिम प्रकाशन के समय कुल पुरूष 15250 एवं 29213 महिला मतदाता का नाम सम्मिलित किया गया। इस प्रकार बाँका जिले में कुल मतदाता की संख्या-1537516 है। जिसमें 18-19 वर्ष आयु वर्ग के युवा मतदाता 24614 सम्मिलित है। जिला का लिंगानुपात प्रारूप सूची में 890 था। जो बढ़कर 913 हुआ। जिले में अमरपुर विधानसभा में लिंगानुपात 872 से बढ़कर 902 हो गया। इस प्रकार जिले के पाँचो विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक लिंगानुपात कटोरिया एवं बेलहर विधानसभा में बढ़ोत्तरी हुई है। निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी के लिए तथा आगामी विधानसभा निर्वाचन में अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए निर्वाचक सूची में नाम सम्मिलित होना आवश्यक है। सतत् अद्यतीकरण के तहत छुटे हुए ऐसे मतदाता जिनका नाम सम्मिलित नही है वे ऑफलाईन आवेदन अपने निकटम मतदान केन्द्र के बी०एल०ओ०/ प्रखंड में जमा किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त ऑनलाईन आवेदन एन वी एस पी तथा वोटर हेल्पलाइन एप्प के माध्यम से स्वयं भी किया जा सकता है।निर्वाचक सूची में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के अपेक्षा कम है। अतः छुटे हुए महिलाओ को निर्वाचक सूची में नाम सम्मिलित करने के लिए आवेदन करना चाहिए। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2025 के अवसर सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी , 33 बी0एल0ओ0 एवं वृद्ध मतदाता एवं दिव्यांग मतदाता को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में नवपंजीकृत मतदाता को मतदाता पहचान पत्र प्रदान किया गया। मंदार कला मंच द्वारा टाउन हॉल, गांधी चौक एवं समाहरणालय गेट के सामने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं जागरूक करते हुए उन्हें मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं मतदान के दिन मतदाता करने हेतु प्रेरित किया गया।

प्रखंड विकास पदा0 के नेतृत्व में एवं उच्च विद्यालय में बी एल ओ के द्वारा मनाया गया 15 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका। 25 जनवरी 2025 शनिवार को फुल्लीडुमर प्रखंड कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी के नेतृत्व में समारोह पूर्वक मतदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड के सभी पदाधिकारी ने शपथपत्र शपथ पत्र पढ़ते हुए संयुक्त रूप से शपथ लेकर 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार अंचल, अधिकारी मनोज कुमार, अंचल के प्रधान लिपिक केदार प्रसाद यादव, प्रमुख प्रतिनिधि प्रसेंजीत कुमार राय ,प्रखंड लिपिक राकेश कुमार, आरटीपीएस विभाष कुमार ,कृषि विभाग के कर्मी गिरीश कुमार, पंसस बबीता देवी, निरंजन यादव सहित प्रखंड एवं अंचल के कई कर्मी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं प्लस टू उच्च विद्यालय बालादेव इटहरी फुल्लीडुमर के प्रांगण में बूथ लेवल के पदाधिकारी संजय कुमार साह, रामदेव चौधरी एवं प्रकाश सुमन के नेतृत्व में दर्जनों समर्थकों के साथ समारोह पूर्वक मतदाता दिवस मनाया गया।

क्लिनिकल ट्रायल में 1 की मौत

बेंगलुरु । कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में क्लिनिकल ट्रायल में एक व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि नागेश वीरन्ना (33 साल) एक रिसर्च एंड डेवलपनमेंट कंपनी के क्लिनिकल ट्रायल में शामिल था। ट्रायल के दौरान दी गई दवाओं के साइड इफेक्ट की वजह से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की भाई की शिकायत पर बीएनएस की धारा 194 (3) के तहत अननेचुरल डेथ की रिपोर्ट दर्ज की है। रिसर्च कंपनी ने जांच में सहयोग करने की बात कही है।

ताहिर हुसैन की जमानत पर 28 को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच 28 जनवरी को पूर्व पार्षद और फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की याचिका पर सुनवाई करेगी। याचिका में राजधानी में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत की मांग की गई है। ताहिर हुसैन की याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष होगी। ताहिर हुसैन, आम आदमी पार्टी का पूर्व पार्षद है। फिलहाल वह एआईएमआईएम पार्टी के टिकट पर दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ रहा है।

बांके बिहारी मंदिर को मिला एफसीआरए लाइसेंस

आगरा । वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत लाइसेंस दिया गया है, ताकि वह विदेशों से धन प्राप्त कर सकें। इस लाइसेंस के मिलने के बाद अब विदेशी भक्त मंदिर में खुलकर दान दे सकेंगे। मंदिर के संचालन के लिए कोर्ट द्वारा गठित प्रबंधन समिति ने इस लाइसेंस के लिए आवेदन दिया था। कोर्ट की मंजूरी के बाद इस आवेदन की प्रक्रिया पूरी की गई। मंदिर का प्रबंधन वर्तमान में न्यायालय द्वारा किया जाता है, जिसने एक प्रबंधन समिति गठित की है। सूत्रों ने बताया कि वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 के तहत लाइसेंस दिया गया है। वर्तमान प्रबंधन समिति ने एफसीआरए लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। मंदिर का प्रबंधन पहले पुजारियों के एक परिवार द्वारा किया जाता था और पहले यह निजी प्रबंधन के अधीन था। गृह मंत्रालय ने आवेदन और अदालत की मंजूरी के बाद पूरी प्रक्रिया कराई, जिसके बाद एफसीआरए के तहत विदेशी धन प्राप्त करने का लाइसेंस दिया है। सूत्रों ने बताया कि आवेदन के अनुसार, मंदिर को अपने खजाने में बहुत सारी विदेशी मुद्राएं प्राप्त हुईं और वह विदेशों से दान स्वीकार करने का भी इरादा रखते हैं। कानून के अनुसार, विदेशी योगदान प्राप्त करने वाले सभी गैर सरकारी संगठनों को एफसीआरए के तहत पंजीकृत होना पड़ता है।

942 जवानों को मिलेगा वीरता-सर्विस मेडल

-95 जवानों को वीरता पदक, 5 को मरणोपरांत सम्मान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को वीरता (गैलेंट्री) और सेवा पदक (सर्विस मेडल) के लिए 942 नामों की घोषणा की। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक पाने वाले 101 लोग हैं। सराहनीय सेवा के लिए मेडल पाने वाले 746 कर्मी हैं। कुल 95 लोगों को वीरता पदक दिया गया। इनमें 5 नाम ऐसे हैं जिन्हें मरणोपरांत सम्मानित किया गया। मरणोपरांत वीरता पदक पाने वालों में जम्मू-कश्मीर पुलिस के डिप्टी एसपी हुमायूं मुजमिल, सीमा सुरक्षा बल हेड कॉन्स्टेबल गिरजेश कुमार उद्दे, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कॉन्स्टेबल सुनील कुमार पांडे, सशस्त्र सीमा बल हेड कॉन्स्टेबल रवि शर्मा और सिलेक्शन ग्रेड फायरमैन सतीश कुमार रैना शामिल हैं। जिन 95 गैलेंट्री अवॉर्ड्स की घोषणा की गई है, इनमें 28 नाम नक्सल-उग्रवाद प्रभावित इलाकों से हैं। 28 नाम जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से, 3 नाम नॉर्थ-ईस्ट और 36 नाम दूसरे क्षेत्रों से हैं। वीरता पदक की पुलिसकर्मियों में सबसे ज्यादा नाम उत्तर प्रदेश से हैं। जम्मू-कश्मीर से 15 नाम हैं। ये सम्मान सैन्य, पुलिस और अन्य कर्मियों को वीरता और उनके बलिदान के लिए दिए जाते हैं।

पंजाब में लगे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

-गणतंत्र दिवस के विरोध में निकाला गया मार्च

जालंधर। पंजाब के जालंधर में शनिवार को दल खालसा ने गणतंत्र दिवस के विरोध में खालिस्तान की मांग करते हुए मार्च निकाला। दल खालसा से जुड़े लोग खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए बाबा साहिब बीआर अंबेडकर चौक (नकोदर चौक) पर पहुंचे। खालिस्तान समर्थकों ने कहा कि हमें संविधान मंजूर नहीं है, वे खालिस्तान बनाकर रहेंगे। पंजाब भारत का हिस्सा नहीं है। हमें अभी तक आजादी नहीं मिली है, हमने चंडीगढ़ भी खो दिया। मार्च के चलते पुलिस फोर्स भी तैनात रही, लेकिन उन्होंने प्रदर्शनकारियों को नहीं रोका। थाना डिवीजन नंबर-6 के एसएचओ भूषण कुमार ने कहा कि सारे मामले के बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। जैसा सीनियर अधिकारी आदेश करेंगे, उसके आधार पर मामले में कार्रवाई की जाएगी।

नगालैंड में पुलिस ने 35 करोड़ के मादक पदार्थ को किया नष्ट

दीमापुर। नगालैंड के दीमापुर और मोन जिलों में पुलिस ने दो अभियानों के दौरान 35 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ को नष्ट किया है। पुलिस ने बताया कि जिन मादक पदार्थों को नष्ट किया गया उसमें ब्राउन शुगर, हेराइन, क्रिस्टल मेथ (मेथामफेटामाइन), याबा टैबलेट कफ सिरफ की बोतलें और अफीम शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दीमापुर की जिला मादक पदार्थ निस्तारण समिति (डीडीडीसीडी) ने 34.82 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ को नष्ट किया। उन्होंने बताया कि मोन जिले में यह आंकड़ा 22.5 लाख रुपये का था। ये मादक पदार्थ चार जनवरी को बरामद किए थे जिसका भौतिक सत्यापन दीमापुर के पुलिस आयुक्त की अगुवाई वाली इस समिति ने किया था।

इसरो 29 जनवरी को करेगा 100वां प्रक्षेपण, भारत फिर रचेगा इतिहास

-जीएसएलवी-एफ15 मिशन स्वदेशी नेविगेशन उपग्रह प्रणाली को बढ़ाएगा आगे

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ 100वें प्रक्षेपण के लिए तैयार है। इस मिशन के तहत जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट के द्वारा एनवीएस-02 उपग्रह को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 29 जनवरी को लॉन्च करेगा। यह प्रक्षेपण भारत के स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम नेवआईसी को एक और मजबूत क्षमता प्रदान करेगा।

जीएसएलवी-एफ15 मिशन की उड़ान इसरों के लिए बहुत ही अहम है, क्योंकि यह भारत के स्वदेशी नेविगेशन उपग्रह प्रणाली नेवआईसी को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित करना है। एनवीएस-02, नेवआईसी प्रणाली का दूसरा उपग्रह है, जो सटीक स्थिति निर्धारण सेवाओं को और बेहतर बनाएगा।

यह भारत की स्वदेशी क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली है, जिसे विशेष रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में सटीक स्थिति, वेग और समय (पीवीटी) सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली भारतीय भूभाग से करीब 1500 किलोमीटर दूर तक काम करती है। नेवआईसी में दो प्रकार की सेवाएं शामिल हैं- मानक पोजिशनिंग सेवा (एसपीएस), जो 20 मीटर तक की सटीकता देती है, और प्रतिबंधित सेवा (आरएस) जो अतिरिक्त नेविगेशन सुविधाएं देती है।

एनवीएस-02 उपग्रह दूसरी पीढ़ी का उपग्रह है और इसमें एक मानक आई-2के बस प्लेटफॉर्म है। इसका लिफ्ट-ऑफ द्रव्यमान 2,250 किलोग्राम है और इसमें करीब 3 किलोवाट की पावर हैंडलिंग क्षमता है। इस उपग्रह में एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड, और सी-बैंड में रेंजिंग पेलोड होगा। यह उपग्रह आईआरएनएसएस-1ई की जगह 111.75 डिग्री पूर्व में तैनात किया जाएगा।

इस प्रक्षेपण में इसरो की तकनीकी विशेषज्ञता और स्वदेशी क्रायोजेनिक चरणों का उपयोग किया जाएगा। जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट की यह उड़ान जीएसएलवी की 17वीं उड़ान है और स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण वाली 11वीं उड़ान है, जो इसरो की तकनीकी क्षमता को और मजबूती देती है। इस मिशन में धातु के पेलोड फेयरिंग का इस्तेमाल किया जाएगा और प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से होगा। एनवीएस-02 का प्रक्षेपण इसरो की सफलता की दिशा में एक और कदम है। यह भारत के स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और नेविगेशन प्रणालियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके अलावा, एनवीएस-02 उपग्रह में स्वदेशी और खरीदी गई परमाणु घड़ियों का संयोजन है, जो सटीक समय निर्धारण के लिए बहुत ही अहम है।

संभल की जामा मस्जिद के बाहर नमाजियों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिंदुस्तान जिंदाबाद के लगाए नारे

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में गणतंत्र दिवस से पहले जामा मस्जिद पर देशप्रेम, एकता और सौहार्द का माहौल दिखाई दिया। इस दौरान जुमे की नमाज पढ़कर निकले नमाजियों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए और देशप्रेम का संदेश दिया। बता दें कि बीते 24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद के अंदर सर्वे के दौरान मस्जिद के आसपास के इलाके में हिंसा हुई थी, जिसके बाद काफी तनाव का माहौल हो गया था। घटना के 2 महीने बाद गणतंत्र दिवस से पहले लोगों ने एकजुटता के साथ देशप्रेम का संदेश दिया है। शुक्रवार को जुमे की नमाज पढ़कर नमाजी बाहर निकले तब नजारा ही कुछ और था। मस्जिद के सामने देशभक्ति की तस्वीर देखने के लिए मिली। नमाजी हाथों में तिरंगा लहराकर देशभक्ति के रंग में रंगे दिखाई दिए और हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। तिरंगा बांटने वाले मुस्लिम भाइयों ने कहा कि हमें अपने तिरंगे पर नाज है। गणतंत्र दिवस से पहले देशभक्ति का संदेश देने के लिए आज हम लोगों ने जामा मस्जिद के बाहर तिरंगा बांटकर लोगों से अपील की है कि वे सभी लोग अपने-अपने घर और दुकानों के बाहर तिरंगा लगाकर देशभक्ति का संदेश दें।

कोटा में दो छात्रों ने की सुसाइड, प्रियंका गांधी वाड्रा का टवीट... सामूहिक आत्मनिरीक्षण का समय

कोटा (एजेंसी)। कोटा, जो कभी छात्रों के लिए सपनों का शहर होता था, आज आत्महत्या के बढ़ते मामलों के कारण भयावक शहर बनाता जा रहा है। इन घटनाओं ने शिक्षा प्रणाली और छात्रों पर बढ़ते दबाव को लेकर नई बहस छेड़ दी है। इसपर कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने इस सामूहिक आत्मनिरीक्षण का समय बताया है।

कोटा इन दिनों छात्र आत्महत्याओं के बढ़ते मामलों के कारण चर्चा में है। जनवरी 2025 में अब तक 6 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं, इसमें से पांच छात्र इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम जेईई और एक छात्रा मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी एनईईटी की तैयारी की रही थी।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इन घटनाओं को अत्यंत डरावना और हृदयविदारक बताया। उन्होंने छात्रों पर बढ़ते दबाव और शिक्षा प्रणाली पर सवाल उठाकर सरकार, अभिभावकों और संस्थानों से आत्मनिरीक्षण करने और समाधान खोजने की अपील की।

उन्होंने लिखा, कोटा, में एक ही दिन में दो बच्चों के आत्महत्या का समाचार अत्यंत डरावना और हृदयविदारक है। तीन हफ्ते के अंदर 5 छात्रों ने आत्महत्या की है, ये बहुत चिंताजनक है। यह समय शिक्षा के संस्थानों, अभिभावकों और सरकारों को मिलकर सोचने और आत्मनिरीक्षण करने का है कि ऐसा क्यों हो रहा है? क्या हमारे बच्चों पर इतना दबाव पड़ रहा है कि वे झेल नहीं पा रहे हैं या समूचा वातावरण उनके अनुकूल नहीं है? राजस्थान सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाना चाहिए।

शिक्षा प्रणाली पर सवाल

प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने ट्वीट में कहा कि भजनलाल सरकार को बच्चों के मनोविज्ञान, शिक्षा प्रणाली और माहौल पर गहराई से अध्ययन करना चाहिए और सुधार की पहल करनी चाहिए।

क्या ठाकरे गुट में फिर होगी फूट, बैठक में विधायकों और सांसदों के नहीं आने पर चर्चा जोरों पर

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना-यूबीटी उद्धव ठाकरे में फिर दरार की आशंका उठने लगी है। खबर हैं कि शिवसेना-यूबीटी के कई नेता शिंदे गुट के साथ जुड़ने की तैयारी में हैं। अगर ऐसा होता हैं तब फिर ये उद्धव ठाकरे के लिए बहुत बड़ा झटका होगा। हालांकि उद्धव ठाकरे गुट का दावा है कि उनकी पार्टी का कोई भी नेता उन्हें छोड़कर नहीं जा रहा है। लेकिन ठाकरे गुट के दावे की पोल अभी हाल ही में खुल गई। दरअसल बाला साहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम से कई नेताओं, विधायकों और सांसदों नदराद रहे। इसके बाद ही शिवसेना-यूबीटी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इस कार्यक्रम में पार्टी विधायक, दिलीप सोपल, राहुल पाटिल, बाबाजी काले के साथ-साथ सांसद संजय देशमुख, नागेश पाटिल अश्तिकार, बंधु जाधव, ओम राजे निंबालकार और संजय दीना पाटिल भी नहीं पहुंचे। इसके अलावा पूर्व विधायक राजन साल्वी और वैभव नाइक भी कार्यक्रम में नहीं थे। साल्वी को लेकर अफवाह है कि वे यूबीटी छोड़कर शिंदे गुट में शामिल होने वाले हैं। साल्वी ने भी अफवाओं का खंडन नहीं किया है। शिवसेना और भाजपा दोनों की ओर से उन्हें अपने साथ लाने की कोशिश चल रही है।

इस बीच यूबीटी नेताओं का दावा है कि इनमें से तमाम नेताओं को अन्य कार्यक्रमों में शामिल होना था। उन्होंने पार्टी को पहले ही बता दिया था कि वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकते। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भी मामले में बयान जारी किया है। उन्होंने कहाकि जो लोग पार्टी नेताओं की अनुपस्थिति पर सवाल उठा रहे हैं, वे शिवसेना को जानते ही नहीं हैं। राउत ने कहा कि कार्यक्रम मुंबई के लिए था, इसलिए प्रदेश के अन्य नेताओं ने इसमें हिस्सा नहीं लिया।

इस बीच शिवसेना नेता और उद्योग मंत्री उदय सामंत ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आने वले दिनों में यूबीटी कैंप में बड़ी भगदड़ होने वाली है। कई बड़े नेता शिवसेना की तरफ आने वाले हैं। सामंत ने दावा किया कि चार यूबीटी विधायक और तीन सांसद जल्द ही शिवसेना से जुड़ सकते हैं। इतना ही नहीं, सामंत ने कहा है कि चार कांग्रेस विधायक भी शिंदे शिवसेना का दामन पकड़ने वाले हैं।

भारत रत्न देने की विचाराधीन सूची में मनमोहन और रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर

पटना। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न के लिए विचाराधीन सूची में पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह और उद्योगपति रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर है। इनके अलावा बिहार के सीएम नीतीश कुमार, ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक, दामोदर सावरकर, समाजसेवी ज्योतिबा फुले के नामों पर भी विचार किया जा रहा है। इस सूची में कई और नाम भी शामिल हैं। गणतंत्र दिवस के आसपास भारत रत्न के लिए चुने गए नामों की घोषणा होती है। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद तेलंगाना सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर पूर्व पीएम को भारत रत्न देने की मांग की थी। पिछले साल उद्योगपति रतन टाटा के निधन के बाद अक्टूबर में महाराष्ट्र कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर उन्हें भारत रत्न देने की मांग केंद्र से की थी। महाराष्ट्र बीजेपी ने सावरकर, ज्योतिबा फुले को भी भारत रत्न देने का प्रस्ताव भेजा था। बीजेपी सांसद व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार और नवीन पटनायक को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे जाने की सिफारिश की है।

सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत ने पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमापार आतंकवाद के मामले को लेकर भारत पर झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाने वाले पाकिस्तान को भारत ने जमकर खरी खोटी सुनाई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया यह भली भांति जानती है कि सीमा पार आतंकवाद की उत्पत्ति और जड़ें कहां हैं? कौन इसका जनक है? हमारे देश में आतंकी हमले की घटनाएं हुई हैं। यह कहां से हुई हैं, हम जानते हैं। इन सबके बावजूद यह कहना कि भारत मामले का राजनीतिकरण कर रहा है, पूरी तरह से अप्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि सीमापार आतंकवाद के लिए कौन सा देश जिम्मेदार है। ऐसे में भारत, पाकिस्तान से सीमापार आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आह्वान करेगा।

दरअसल, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की यह प्रतिक्रिया बीते दिनों पाकिस्तान के प्रचार विभाग आईएसपीआर के उस बयान को लेकर दी गई है। जिसमें आईएसपीआर ने भारतीय सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के सेनादिवस पर आयोजित वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराने के बयान का जिक्र करते हुए दावा किया कि भारतीय सेना का राजनीतिकरण किया जा रहा है। जनरल द्विवेदी ने ये भी कहा था कि पाकिस्तान आतंकवाद का एपीसेंटर है। उसके द्वारा ही आतंकी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। संसदीय और विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए सेनाप्रमुख ने कहा था कि दोनों के दौरान केंद्रशासित प्रदेश में हुए लगभग 60 फीसदी मतदान से साफ है इलाके के लोग शांति चाहते हैं और हिंसा से दूर हो रहे हैं। उत्तरी कश्मीर में डोडा और किश्तवाड़ क्षेत्र में हाल के महीनों में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं। 2024 में सुरक्षाबलों ने पाकिस्तानी मूल के 60 फीसदी आतंकवादी मार गिराए हैं। हमारा मानना है कि पाक मूल के 80 फीसदी से अधिक आतंकी हैं।

पटना में पर्यटन को बढ़ावा देने जल्द ही डबल डेकर बस दौड़ेगी

पटना (एजेंसी)। पटना में पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने शहर की सड़कों पर अब जल्द ही डबल डेकर बस दौड़ाएगा। इस बस में कुल 40 सीटें होगी। बस में 20 यात्री नीचे एवं 20 बस की छत पर बैठकर पटना की सड़कों पर भ्रमण कर सकते है। पर्यटन निगम की ओर से इसके लिए तैयारी कर ली गई है। निगम की ओर से बस का राजधानी की सड़कों पर ट्रायल भी कर लिया गया है। पर्यटकों के मद्देनजर इस बस को काफी खूबसूरत तरीके से सजाया गया है। सबसे पहले डबल डेकर बस को जेपी गंगा पथ पर दौड़ाया जाएगा। पर्यटन विकास निगम की नई योजना के अनुसार प्रथम चरण में इस बस को दीघा रोटरी से कंगन घाट तक चलाया जाएगा। यह बस दीघा रोटरी से पर्यटकों को लेकर पटना सिटी स्थित कंगनघाट तक जाएगी। फिर वहां से पर्यटकों को लेकर दीघा रोटरी तक आयेगी। पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों के लिए एक ट्रिप का किराया 100 रुपये तय किया है। यानी कोई पर्यटक अगर दीघा रोटरी के पास बस पर सवार होता है और कंगनघाट का भ्रमण कर वापस दीघा रोटरी तक आता है, तब उसे 100 रुपये किराया चुकाना होगा। इस बस का मुख्य उद्देश्य राजधानी में पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस बस पर पर्यटकों को राजधानी के ऐतिहासिक स्थलों के बारे में जानकारी देने के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। बस जेपी सेतु से जैसे ही आगे बढ़ेगी, पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पर्यटकों को जानकारी दी जाएगी। साथ ही गंगा के खूबसूरत नजारा भी पर्यटकों को दिखाया जाएगा। वहां से बांस घाट काली मंदिर, गोलघर, सभ्यता द्वार, गांधी संग्रहालय, गांधी मैदान, दरभंगा हाउस काली मंदिर सहित पटना सिटी के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के बारे में पर्यटकों को जानकारी प्रदान की जाएगी। बात दें कि देशी पर्यटकों के लिए पटना की ऐतिहासिक धरती हमेशा से आकर्षण का केंद्र रही है। बीते साल पटना में राज्य के सभी पर्यटन स्थलों से अधिक पर्यटक आए। पटना में पिछले वर्ष 74.38 लाख पर्यटक आए। उसके बाद दूसरा स्थान मुजफ्फरपुर का रहा। वहां पर 48.76 लाख पर्यटक आए। तीसरा स्थान मुंगेर का रहा, वहां पर 24.63 लाख पर्यटकों ने भ्रमण किया। देशी पर्यटकों के आगमन में राजगीर का चौथा एवं बोधगया का पांचवा स्थान रहा। राजगीर में 24.52 लाख एवं बोधगया में 21.72 लाख पर्यटकों ने पिछले वर्ष भ्रमण किया।

जुआ-सट्टा भी बंद होना चाहिए ; म.प्र. में शराबबंदी पर बोले पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह

इन्दौर (एजेंसी)। भारत में शराबबंदी के कई प्रयोग हुए हैं। गुजरात और बिहार में यह लागू हुआ, लेकिन सबसे आसान होम डिलीवरी इन दोनों जगहों पर ही हो रही है। जहां तक धार्मिक स्थानों की बात है, हम इन जगहों का सम्मान करते हैं, लेकिन शराबबंदी के साथ जुआ-सट्टा भी बंद होना चाहिए।

यह बातें शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह इन्दौर प्रेस क्लब के प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि वे भी 10 सालों तक मुख्यमंत्री रहे है, जब भी कोई शिकायत आती थी, तो शिकायत जिनके खिलाफ हो, उनसे जांच नहीं करवाई जाती थी। जहां भी भ्रष्टाचार का मामला आया, हमने कार्रवाई करवाई और जांच करवाई।

दिल्ली चुनाव पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ रही है। 8 तारीख को परिणाम सबके सामने आ जायेंगे। इन्दौर में भाजपा पार्षदों की लड़ाई और कांग्रेस की चुप्पी पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह भाजपा की आपसी लड़ाई है। अगर कोई निर्दोष या गरीब मारा जाता, तो कांग्रेस आवाज उठाती. भाजपा की लड़ाई कांग्रेस क्यों लड़ेगी?

यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह लगभग 40 सालों से भोपाल में पड़ा हुआ था और इन वर्षों में कोई नया मामला सामने नहीं आया। जिन लोगों को गैस का असर हुआ था, वे ही इस केस में जुड़े रहे। इस मिट्टी का वहां क्या असर रहा? ये जांच का विषय रहा है। इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनाया गया, ये समझ से परे है। उस मिट्टी को पीथमपुर लाने की क्या जरूरत थी? उसे वहीं दबाकर खत्म किया जा सकता था। दिग्विजय ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि वह जमीन बहुत कीमती है, इसलिए उसे खाली कराने का काम शुरू हुआ।

देश के आम बजट पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि सबका यही मत है कि जीएसटी में मल्टी-स्लैब प्रणाली कभी सफल नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि इसमें सिंगल स्लैब होना चाहिए या डबल, इससे ज्यादा नहीं। एक देश, एक चुनाव पर दिग्वि?जय ने कहा कि किसी भी संघीय संविधान में यह संभव नहीं, क्योंकि पांच साल के लिए सरकार चुनी जाती है। जहां बहुमत खत्म होगा, वहां मध्यावधि चुनाव की जरूरत पड़ेगी। इसे कैसे संभव करेंगे?

मतपत्र से चुनाव कराए जाने के सवाल पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि चुनाव मतपत्र से ही होना चाहिए क्योंकि हर वोटर का संवैधानिक अधिकार है कि जहां वह चाहे, वहां वोट डाले। उसकी पूरी गिनती हो और जिसे वोट डाला जाए, उसे ही मिले। ये तीन मौलिक अधिकार हैं, जो इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में नहीं हैं। हमारी लड़ाई अदालत में जारी है।

भ्रष्टाचार के मुद्दें पर दिग्विजय सिंह ने सवाल किए कि क्या इन्दौर में भ्रष्टाचार नहीं है? नगर निगम और प्रशासन में मौजूद किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कभी कार्रवाई हुई है? क्या यहां के राजस्व रिकॉर्ड में अफरा-तफरी नहीं हुई है? सरकारी जमीन बड़े बिल्डर्स के पास पहुंच गई। क्या इसकी जानकारी किसी को नहीं? उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई? उन्होने कहा कि इन्दौर अब भ्रष्टाचार की राजधानी बन चुका है। यहां भ्रष्टाचार चरम पर है और कोई सुनने वाला नहीं। भोपाल का मास्टर प्लान 1995 के बाद आया ही नहीं, क्योंकि वहां अवैध कॉलोनियों का धंधा किया जा रहा है। ज़्यादातर लोग भारतीय जनता पार्टी का नाम लेकर आगे आ जाते हैं। परिवहन मंत्रालय का उदाहरण सभी ने देखा है। सात-आठ साल की सेवा के बाद इस्तीफा देने वाले एक सिपाही के पास 54 किलो सोना और करोड़ों की नगदी पाई गई, लेकिन आज तक वो गिरफ्तार नहीं हुआ।

आखिर कब समझेंगे हम गणतंत्र की मूल भावना?

योगेश कुमार गोयल

सही मायनों में गणतंत्र की मूल भावना को हमने आज तक समझा ही नहीं है। 'गणतंत्र' का अर्थ है शासन तंत्र में जनता की भागीदारी। हालांकि हम कह सकते हैं कि शासन तंत्र में जनता को पूर्ण भागीदारी मिली है किन्तु क्या यह वाकई पूर्ण सत्य है? देश का संविधान लागू होने के इन 75 वर्षों में भी क्या वास्तव में शासन तंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हुई है?

प्रतिवर्ष की भांति एक और गणतंत्र दिवस हमारी चौखट पर दस्तक दे चुका है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी के लिए यह गर्व का दिन है क्योंकि भारत ने देश की आजादी के बाद स्वयं का संविधान बनाकर 26 जनवरी 1950 के दिन इसे लागू कर इसी दिन प्रभुत्ता सम्पन्न सार्वभौमिक प्रजातंत्रात्मक गणराज्य बनने का गौरव हासिल किया था लेकिन कड़वा सच यह भी है कि तभी से प्रतिवर्ष 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप में मनाए जाने की रस्म अदायगी ही हो रही है। 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप मनाने की शुरूआत के पीछे मूल भावना यही थी कि देश का प्रत्येक नागरिक इस दिन संविधान की मयार्दा की रक्षा करने, स्वयं को देशसेवा में समर्पित करने तथा राष्ट्रीय हितों के प्रति आस्था का संकल्प ले, साथ ही इन पर अमल भी करे लेकिन विड़म्बना है कि गौरवान्वित कर देने वाले इस विशेष अवसर पर ऐसे संकल्पों को प्रतिवर्ष दोहराकर या स्मरण मात्र करते हुए हम अपने कर्त्तव्यों और उत्तरदायित्वों की इतिश्री कर लेते हैं।

सही मायनों में गणतंत्र की मूल भावना को हमने आज तक समझा ही नहीं है। 'गणतंत्र' का अर्थ है शासन तंत्र में जनता की भागीदारी। हालांकि हम कह सकते हैं कि शासन तंत्र में जनता को पूर्ण भागीदारी मिली है किन्तु क्या यह वाकई पूर्ण सत्य है? देश का संविधान लागू होने के इन 75 वर्षों में भी क्या वास्तव में शासन तंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हुई है? जनता को यह तो अधिकार है कि मतदान के जरिये वह अपना जनप्रतिनिधि चुने किन्तु एक बार संसद अथवा विधानसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद अगले पांच वर्षों तक इन जनप्रतिनिधियों पर उसका क्या कोई अंकुश रह जाता है? वास्तविकता यही है कि इसी प्रावधान का लाभ उठाते हुए राजनीतिक दल देश की जनता का चुनाव के समय महज एक वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं और अपना मतलब निकलने पर जनप्रतिनिधियों पर जनता के दुख-दर्द के बजाय अपने लिए सुख-सुविधाओं का अंबार जुटाने की चिंता सवार हो जाती है और वे इसी कवायद में जुट जाते हैं कि येन-केन-प्रकारेण अगले चुनाव के लिए कैसे करोड़ों रुपयों का इंतजाम किया जाए। अहम सवाल यह है कि जिस राष्ट्र में जनता की भागीदारी चुनाव में सिर्फ वोट डालने और उसके बाद चुने हुए जनप्रतिनिधियों के आचरण से शर्मसार होकर आंसू बहाने तक ही सीमित रह गई हो, वहां ह्यगणतंत्रह्ण का भला क्या

महत्व रह गया है? खासतौर से ऐसी स्थिति में, जब गरीबी व भुखमरी से त्रस्त करोड़ों लोग चंद रुपयों की खातिर या लाखों लोग महज दो-चार शराब की बोतलों के लिए अपने वोट बेच डालते हों या ईवीएम के दौर में भी कुछ मतदान केन्द्रों पर गुंडागर्दी के बल पर वोट डलवाये जाते हों?

हालांकि इसमें कोई संशय नहीं कि हमें विशुद्ध रूप में एक प्रजातांत्रिक संविधान प्राप्त हुआ है, जिसमें प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक समुदाय, प्रत्येक सम्प्रदाय के लोगों के लिए बराबरी के अधिकार के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुछ मूलभूत स्वतंत्रताओं की व्यवस्था भी की गई है, प्रत्येक नागरिक के लिए मूल अधिकारों का प्रावधान किया गया है किन्तु गणतांत्रिक भारत में पिछले 75 वर्षों के हालातों का विवेचन करें तो यही पाते हैं कि हमारे कर्णधार एवं नौकरशाह किस प्रकार संविधान के कुछ प्रावधानों के लचीलेपन का अनावश्यक लाभ उठाकर कदम-कदम पर लोकतांत्रिक मूल्यों को तार-तार करते रहे हैं। निसंदेह इससे लोकतंत्र की गरिमा प्रभावित होती रही है। संविधान निमार्ताओं ने कभी इस बात की कल्पना नहीं की होगी कि जिन लोगों के कंधों पर संविधान को लागू कराने की जिम्मेदारी होगी, वही इसके प्रावधानों का मखौल उड़ाते नजर आएंगे। ऐसी दयनीय परिस्थितियों को देखकर निश्चित रूप से संविधान निमार्ताओं की आत्मा खून के आंसू रोती होगी।

संसद-विधानसभाओं में एक-दूसरे के साथ मारपीट, घूंसेबाजी, चप्पल, माइक इत्यादि से प्रहार, कुर्सियां फैंकने जैसी घटनाएं भारतीय लोकतंत्र में शर्मनाक पैठ बना चुकी हैं। वक्त-बेवक्त संसद और विधानसभाओं के भीतर होती गुंडागर्दी सरीखी घटनाएं दुनियाभर में हमें शर्मसार करती रही हैं। जिस राष्ट्र में कानून बनाने वाले और देश चलाने वाले लोग ही ऐसी असभ्य हरकतें करने लगें, वहां अपराधों पर अंकुश लगाने की किससे अपेक्षा की जाए? संसद-विधानसभा सरीखे लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिरों में अपराधियों व बाहुबलियों का निर्बाध प्रवेश क्या एक स्वस्थ लोकतंत्र का संकेत है? चुनाव जीतने के लिए आज हर राजनीतिक दल में ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल करने, चुनाव जीतने के लिए उनका इस्तेमाल करने के अलावा उन्हें ही पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़वाकर अपनी सीटें बढ़ाने के फेर में ऐसे दागी लोगों को लोकतंत्र के मंदिरों में प्रवेश दिलाने की होड़ सी लगी है। संसद और विधानसभाओं में धड़ाधड़ प्रवेश पाते अपराधियों का संख्या बल देखें तो यह 'प्रजातंत्र' या 'गणतंत्र' कम, 'अपराधतंत्र' अधिक लगने लगा है। अदालतें जब भी संसद या विधानसभाओं में अपराधिक तत्वों का प्रवेश रोकने की दिशा में कुछ सार्थक पहल करने की कोशिश करती हैं, तमाम राजनीतिक दल उसे संसद के अधिकार क्षेत्र में न्यायिक दखलंदाजी करार देते हुए हो-हल्ला मचाने लगते हैं।

राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सांसदों-विधायकों की रूचि लगातार कम हो रही है। प्रत्येक संसद सत्र में हंगामा व शोरशराबा करके संसद का बेशकीमती समय नष्ट कर देना जैसे एक परम्परा बन चुकी है। सदन से बहुत से सदस्य लंबे-लंबे समय तक गैरहाजिर रहते हैं। सर्वसम्मति के अभाव में देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण बिल लंबे समय तक लटके पड़े रहते हैं लेकिन आश्चर्य की बात है कि जब जनप्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते अथवा अन्य ऐशोआराम की सुविधाएं बढ़ाने की बात आती है तो पूरा सदन एकजुट हो जाता है और ऐसे मामलों में पलक झपकते ही सर्वसम्मति बन जाती है। तब सदन में सदस्यों की उपस्थिति संख्या भी देखते ही बनती है। एक समय था, जब संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सकारात्मक बहस होती थी लेकिन अब हर संसद सत्र हंगामे और शोरशराबे की भेंट चढ़ जाता है। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि संसद का एक-एक मिनट बहुमूल्य होता है। संसद के प्रत्येक मिनट के कामकाज पर ढ़ाई लाख रुपये से अधिक खर्च होते हैं अर्थात् आठ घंटे की संसद की कार्रवाई पर बारह करोड़ रुपये से भी अधिक खर्च होते हैं। आए दिन इसी तरह संसद में हंगामे होने, सदन की कार्रवाई का बहिष्कार करने या सदन की कार्रवाई दिनभर के लिए स्थगित होने से देश को कितना आर्थिक नुकसान होता है, इसका अनुमान सहजता से लगाया जा सकता है। संसद अथवा विधानसभाओं की कार्रवाई पर होने वाला यह भारी-भरकम खर्च जनप्रतिनिधियों की जेबों से नहीं निकलता बल्कि इसका सारा बोझ देश की आम जनता वहन करती है। बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि 'गणतंत्र' की जो तस्वीर हमारे जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत की जा रही है, क्या हम उस पर गर्व कर सकते हैं? गणतंत्र दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर को इतनी धूमधाम से मनाए जाने का सही लाभ तभी है, जब न केवल देश का प्रत्येक नागरिक बल्कि बड़े-बड़े राजनेता और नौकरशाह भी संविधान की गरिमा को समझें और उसके अनुरूप अपने आचरण में पारदर्शिता भी लाएं।

संपादकीय

हिंसा का पाठ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा है कि अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए कभी-कभी हिंसा जरूरी होती है। गुजरात विश्वविद्यालय के हिन्दू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, हिन्दू सदा ही अपने धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपने धर्म की रक्षा के लिए हमें वे काम भी करने होंगे, जिन्हें दूसरे अधर्म करार देंगे और हमारे ऐसे काम हमारे पूर्वजों ने किए थे। जोशी ने महाभारत का हवाला देते हुए कहा कि पांडवों ने अधर्म को खत्म करने के लिए युद्ध के नियमों की अनदेखी की। हालांकि वसुधैव कुटुंबकम को आध्यात्मिक अवधारणा बताते हुए उन्होंने पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की बात भी की। संघ नेता के विचारों में विरोधाभास स्पष्ट है। एक तरफ वह हिंसा की बात कर रहे थे। दूसरी तरफ हिन्दू धर्म के केंद्र में मानवता की बात उठाई। संघ के पदाधिकारियों द्वारा कुछ अंतराल के बाद धमार्धारित विवादित बयान दिया जाना परंपरा बन चुकी है। चूंकि संघ की विचारधारा हिन्दुत्व के प्रचार और हिन्दू राष्ट्र को कठोरतापूर्वक लेकर चलती है; इसलिए वे ऐसे हथकंडे अपना कर बहुसंख्यकों को प्रभावित करने में कोई कोताही नहीं करना चाहते। एक तरफ वसुधैव कुटुंबकम जैसे जुमले का प्रयोग और उसके साथ ही हिंसा की बात करना तर्कसंगत नहीं लगता। दूसरे, पांडवों-कौरवों के युद्ध की यहां आवश्यकता स्पष्ट नहीं हो रही। हिन्दुत्व और सनातन हिन्दू धर्म के मर्म को देशवासी भले ही अपरोक्ष तौर पर न समझते हों परंतु वे इस बहकावे में ज्यादा देर नहीं अटके रहते। जैसा कि जोशी ने स्वयं कहा, यह आध्यात्मिकता है, जीवनशैली है। मगर इसमें हिंसा का कोई स्थान नहीं है। संघ प्रमुख रहे मोहन भागवत का कहना था, बल प्रयोग, उग्रवाद, आक्रामकता, अन्य देवताओं का अपमान हमारे देश की प्रकृति में नहीं है, यह अस्वीकार्य है। परंतु जब भी हिंसा की आड़ लेने की बात की जाती है, सिक्के का दूसरा पहलू भी उजागर हो जाता है। जनता को उकसाने, भड़काऊ बयानबाजी करने या धार्मिक उन्माद फैलाने को मकसदहीन नहीं ठहराया जा सकता। बीते कुछ वर्षों में जनता को बरगाले के ये फॉमरूले चूंकि काफी कारगर रहे हैं, इसलिए विवादित धार्मिक संगठन इन्हें त्यागने का इरादा नहीं जुटा पाते प्रतीत हो रहे हैं। उपद्रव या हिंसा की भूमि में अध्यात्म को कितना ही बोया जाता रहे, उसकी फसल कभी नहीं उपज सकती।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है।

हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की। विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

महामंडलेश्वर ममता बाई के हाथों में धर्म -ध्वजा

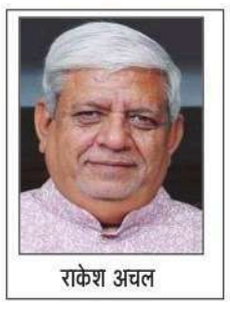

राकेश अचल

हिंदुत्व पर खतरों को लेकर हमेशा फिक्रमंद रहने वाले आरएसएस और भाजपा को अब बेफिक्र हो जाना चाहिए ,क्योंकि अब हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए खूबसूरत फिल्म अभिनेत्री सुश्री ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर बनकर धर्म ध्वजा उठा ली है। ममता के सन्यासी बनने और सीधे महामंडलेश्वर बनने से मेरी समझ में आ गया है कि हमारे सनातनी हिन्दू धर्म में सब कुछ बनना उतना जटिल नहीं है जितना दुनिया वाले समझते हैं। यहां आप जब चाहे अपना महिमा मंडन करा सकते हैं और महामंडलेश्वर की पदवी हासिल कर सकते हैं।

हिन्दू धर्म में ठेका प्रथा बहुत पुरानी है। भाजपा केपास तो हिन्दू धर्म का ठेका 1980 में जन्म के साथ आया था। महाकुम्भ में इस समय हिन्दू धर्म की रक्षा करने वाले 14 अखाड़े मौजूद हैं ,जिस्मने से सबसे नए किन्नर अखाड़े को अभी तक अखाडा परिषद ने अधिमान्यता नहीं दी है ,लेकिन इसी अखाड़े ने ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बना दिया है। हालाँकि महामंडलेशवर बनना इतना आसान काम नहीं है जितना ममता के लिए इसे कर दिया गया। महामंडलेश्वर बनने से पहले सन्यासी की को थानापति ,कोतवाल,कोठरी,भंडारी और कारोबारी बनना पड़ता है ,जो ममता को नहीं बनना पड़ा।

मेरी अल्प जानकारी के मुताबिक नागा परम्परा में साधु-संतों की मंडलियां चलाने वालों को मंडलीश्वर कहा जाता था। 108 और 1008 की उपाधि वाले संत के पास वेदपाठी विद्यार्थी होते थे। अखाड़ों के संतों का कहना है कि ऐसे महापुरुष जिन्हें वेद और गीता का अध्ययन हो, उन्हें बड़े पद के लिए नामित किया जाता था। पूर्व में शंकराचार्य अखाड़ों में अभिषेक पूजन कराते थे, वैचारिक मतभेद के बाद यह काम महामंडलेश्वर के जिम्मे हो गया। अखाड़ों ने अपने महामंडलेश्वर बनाना शुरू कर दिए।

कायदे से महामंडलेश्वर वो ही बन सकता है जो साधु संन्यास परंपरा से हो।वेद का अध्ययन, चरित्र, व्यवहार व ज्ञान अच्छा हो।

और अखाड़ा कमेटी उसके निजी निजी जीवन की पड़ताल से संतुष्ट हो।सब कुछ सामान्य होने के बाद संन्यासी का विधिवत पट्टकाभिषेक कर महामंडलेश्वर पद पर अलंकृत किया जाता है। फिर महामंडलेश्वर के बीच आपसी सहमति से आचार्य के पद पर अलंकृत किया जाता है। इसके बाद अखाड़े की सारी गतिविधियां आचार्य महामंडलेश्वर के हाथ संपन्न कराई जाती हैं।ममता के लिए ये सब शॉर्टकट से हो गया।

मुझे ममता के महामंडलेश्वर बनने से कोई आपत्ति नहीं है। मै तो चाहता हूँ कि फिल्म जगत की ही नहीं बल्कि राजनीति की तमाम हस्तियों को इसी तरीके से धर्मध्वजाएं उठाना चाहिए ,लेकिन कहने वाले कहाँ चूकते है। वे तो कहेंगे ही कि ममता जी का सन्यास ठीक वैसा ही है, जैसे कोई बिल्ली सौ-सौ चूहे खाकर हज करने चली जाये। ममता जी के ऊपर ये कहावत लागू होगी या नहीं ,मुझे नहीं पता, किन्तु मुझे इतना याद है कि ममता जी के फिल्मी कैरियर में अभिनेता ही नहीं डॉन भी आये। वे विवादों से घिरी रहीं। लेकिन पिछले दो दशक से उनकी कहीं कोई चर्चा नहीं थी। इसलिए लगता है कि उन्होंने अपने आपको सचमुच बदल लिया है।

देश में 144 साल बाद के इस महाकुम्भ का यदि सबसे बड़ा हासिल कुछ है तो वो ममता कुलकर्णी का सन्यासी बनना है। मुझे लगता है कि असंख्य नागाओं के प्रमुख जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद जी भी ममता कुलकर्णी की एन्ट्री से गदगद होंगे और आने वाले दिनों में पंच तपोनिधि निरंजनी, पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी, अटल अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, पंच अग्नि अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, आवाहन अखाड़ा भी ममता कुलकर्णी को अपने साधु कुल में समाहित कर लेगा।

महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी बड़ी ही छुपी रुस्तम निकलीं । उन्होंने अपने सन्यास को ; सेंसर करके रखा। उनके सन्यास के बारे में जानेजिगर भी नहीं जान पाए और वे चाइना गेट से होते हुए किला पर कर क्रन्तिकारी बन गयीं। उनका जीवन युद्ध उनका नसीब हमेशा बेकाबू रहा। उन्होंने बाजी मरी और सबसे बड़ा खिलाड़ी बन गयीं। उन्होंने कोई आंदोलन नहीं किया,कोई कारण-अर्जुन उनके जीवन में नहीं आया। उनके अहंकार उनकी किस्मत ने उन्हें गैंग स्टर बना दिया। उनके वादे-इरादे बेताज बादशाह बने रहे। वे क्रांतिवीर हैं। उन्होंने अनोखा प्रेम युद्ध भी किय। सन्यास लेने से पहले उन्होंने तिरंगा भी उठाया और वे आशिक आवारा भी रहीं। उनके जीवन में अनेक भूकंप भी आये। वे वक्त हमारा है समझती रहीं ,लेकिन हमेशा रहीं अशांत ही।

मुझे अपने अनुजवत मित्र गुप्तेश्वर पण्डे की किस्मत को लेकर बड़ी चिंता होती है । वे बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक रहे । उन्हें बिहार का राबिनहुड कहा जाता रहा । वे सियासत की और उन्मुख हुए लेकिन मोहभंग होते ही साधू बन गए। पांडे जी कहने को जगद्गुरु रामानुजाचार्य आचार्य गुप्तेश्वर जी महराज , हैं लेकिन उनके जगद्गुरु बनने का वैसा हल्ला नहीं हुआ था जैसा कि ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनने का हुआ।

चलते-चलते आपको बता दूँ कि महामंडलेश्वर सुश्री ममता कुलकर्णी फिल्मों को छोड़ने के साथ-साथ ममता भारत छोड़ केन्या में बस गई थीं. इसके बाद ममता कुलकर्णी का नाम 2016 में ड्रग्स केस में भी सामने आया था। हालांकि, इस साल अगस्त में बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें राहत देते हुए मामले में क्लीन चिट दे दी थी। आरोपों से मुक्त हो चुकी ममता हाल ही में 24 साल बाद भारत लौटी और चुपचाप सन्यासी बन गयी। उनका गैंगस्टर विक्की गोस्वामी के साथ नाम भी जुड़ा लेकिन वे कहतीं हैं की विक्की उनके पति नहीं है। जो भी हो महामंडलेश्वर ममता जी का धर्म क्षेत्र में स्वागत कीजिये। उनसे ज्ञान लीजिये।

उत्तर प्रदेश : भारतीय आर्थिकी में महती भूमिका

डॉ. शीलवन्त सिंह

भारतीय अर्थव्यवस्था भारत के 28 राज्य 8 केंद्रशासित प्रदेशों की आर्थिक क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है। भारतीय अर्थव्यवस्था 3-7 ट्रिलियन डॉलर का स्तर पार कर चुकी है जिसमें 15.7प्र. के योगदान के साथ महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर है तथा 9.2प्र. के योगदान के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। यह दशार्ता है कि उत्तर प्रदेश राज्य आर्थिक दृष्टिकोण से देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला बुलेट ट्रेन रूपी इंजन है।

उत्तर प्रदेश राज्य से देश की राजनीति का सीधा संबंध है क्योंकि लोक सभा में राज्यों में सर्वाधिक सीटें उत्तर प्रदेश की हैं परंतु 2017 से जब से प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनी है तब से देश की आर्थिक गतिविधियों के केंद्र में प्रदेश आ गया है। 2018 में यूपी इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के साथ ही 2020 में 11वें डिफेंस एक्स्पो का सफल आयोजन राज्य में कराया गया। दिल्ली को छोड़ दिया जाए तो उत्तर प्रदेश में पहली बार किसी राज्य में डिफेंस एक्स्पो का आयोजन हुआ था। कोविड महामारी की आपदा के दौरान प्रधानमंत्री के आपदा में अवसर के मंत्र ने उत्तर प्रदेश को नई ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया। उत्तर प्रदेश सैनेटाइजर उत्पाद से लेकर सर्वाधिक कोविड वैक्सिनेशन करने वाला देश का पहला राज्य बना। 2023 में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुआ। 2024 में देश ने जी-20 सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस अवसर का लाभ उत्तर प्रदेश राज्य ने आर्थिक-सांस्कृतिक, दोनों दृष्टि से खूब उठाया। सांस्कृतिक शहरों वाराणसी, लखनऊ, आगरा जैसे शहरों में निवेशकों को निवेश के बेहतर विकल्प मिले तो पर्यटन, खानपान, लोक कलाओं और ओडीओपी योजना में शामिल उत्पादों को उपहारस्वरूप भेंट देकर निवेशकों का मन जीता तो वहीं प्रदेश के आर्थिक हब ग्रेटर नोएडा में सम्मेलन का आयोजन कर उत्तर प्रदेश की आर्थिक क्षमता से भी निवेशकों का परिचय कराया।

22 जनवरी, 2024 की तारीख पुनः उत्तर प्रदेश को देश के केंद्र में ला खड़ा करती है, मौका था भव्य राम मन्दिर के उद्घाटन का। संपूर्ण अयोध्या नगरी का कायाकल्प हो गया। सड़कों से लेकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक, रेलवे स्टेशन से लेकर बस स्टैंड तक, सड़कों के चौड़ीकरण से लेकर, भव्य चौराहों के निर्माण तक, सीवर लाइन से लेकर बिजली की व्यवस्था तक, धार्मिक स्थलों के कायाकल्प से लेकर, रोजगार, सुरक्षा, पर्यटन और स्वच्छता के क्षेत्र में, जो नये-नये कीर्तिमान रचे गए, उसका साक्ष्य प्रदेश की 24 करोड़ जनता बनी। असंख्य श्रद्धालु आज लाखों की संख्या में अयोध्या पहुंच रहे हैं, और देश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करा रहे हैं। आज प्रदेश अपने सु-शासन, जीरो टॉलरेंस ऑफ करप्शन तथा महिला सुरक्षा जैसे विषयों पर अपनी छवि को सकारात्मक कर चुका है, जिसका परिणाम है कि स्थल अवरुद्ध राज्य होने के बाद भी डिफेंस इंडिट्रयल कॉरिडोर परियोजना का संचालन हो या भारत की पहली फिल्म सिटी का निर्माण हो या प्रधानमंत्री मित्र योजना में शामिल 7 राज्यों में उत्तर प्रदेश का शामिल होना हो या सैमसंन कंपनी द्वारा विश्व की सबसे बड़ी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब का नोएडा में स्थापित होना हो, उत्तर प्रदेश सर्वोत्तम प्रदेश के नये परसेप्शन के साथ आगे बढ़ रहा है। आज उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री के डिजिटल भारत के सपने को व्यावहारिक पटल पर स्वीकार्य बना रहा है। यूपी कृषि प्रधान तथा एमएसएमई प्रधान राज्य तो है ही वह दिन दूर नहीं जब यह सेवा प्रधान राज्य भी होगा। इसकी शुरूआत योगी सरकार द्वारा प्रदेश के 5 जिलों को 'पंच प्राण' के रूप में विकसित करने से हुई है। कानपुर को रोबोटिक्स व ड्रोन सिटी के रूप में, लखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी के रूप में, नोएडा को सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी जनित सेवा सिटी के रूप में तथा वाराणसी, प्रयागराज को इंजीनियरिंग अनुसंधान व विकास सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है जो दशार्ता है कि वर्तमान-भविष्य में जिन सेवाओं, तकनीकों व अनुसंधानों की

जरूरत होगी उनकी तैयारी के लिए प्रदेश ने कमर कस ली है।

आज उत्तर प्रदेश की पहचान निवेश फ्रेंड्ली, टूरिज्म फ्रेंड्ली, कनेक्टिविटी फ्रेंड्ली, महिला सुरक्षा फ्रेंड्ली स्टेट के रूप में हो चुकी है जिसके चलते प्रदेश आर्थिक महाशक्ति के रूप में अपना वर्चस्व स्थापित कर रहा है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण 2025-25 का प्रदेश सरकार का 7-36 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक बजट है जो पूर्व की सपा सरकार के बजट का दोगुना तथा भारत के सभी राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है। 2016-17 में प्रदेश की जीडीपी 12-75 लाख करोड़ रुपये की थी जो 2024-25 में बढ़कर 25 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर चुकी है। उत्तर प्रदेश ने 5 वर्षों में अपनी जीडीपी को दो गुना कर लिया है, जो प्रदेश की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

एकता का प्रतीक, हमारा सुदृढ़ गणतंत्र

हमें गर्व है कि विश्व का सबसे बड़ा संविधान हमारे देश का है। जो डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा रचित और हस्तलिखित पाण्डुलिपि में श्री प्रेम बिहारी रायजादा जी द्वारा निर्मित है। जो 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन में तैयार किया गया था। 26 जनवरी, 1950 को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के साथ ध्वजारोहण कर, भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया था।

गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बनता है जो 'गण' अर्थात् जनता और 'तंत्र' अर्थात् शासन से है। गणतंत्र में जनता का ,जनता के लिए व जनता के द्वारा किया जाने वाला शासन होता है। हमारे देश में जनता के लिए बनाया गया संविधान लचीले संविधान की श्रेणी में भी आता है। जो समय-समय पर विशेष प्रक्रिया द्वारा जन हितार्थ में परिवर्तित किया जा सकता है। यह एक उत्तम संकेत है कि समय-समय पर देश, काल, परिस्थितियों के आधार पर लोकतंत्र की मूल भावना अक्षुण्ण रहे। वैसे भी राष्ट्र में नियम कायदे तो जनमानस के लिए ही होते हैं तो उनका सहर्ष पालन भी जनता द्वारा होने पर ही गणतंत्र सफल है।

हमें हमारे संविधान की वृहदता यह भी याद दिलाती है कि हमें अपने अधिकार व कानून दिलवाने में कई अमर शहीदों ने अनेकों संघर्ष किए हैं।

यहाँ मैं कहूँगी कि-

'आओं शत्-शत् वंदन करें शहीदों को,
जिन्होंने आज़ादी की मंजिल दिलवाई।
उन्होंने बहाया रक्त का कतरा-कतरा
तब हमने आज़ाद हवाओं में श्वासें पाई।'

इससे हम देशवासी संविधान के प्रति संकल्पित और प्रेरित होते है कि हमें इसके नियम कायदों का पालन करते हुए अपने देश को हर क्षेत्र में उन्नति, उत्कृष के नए शिखर पर ले जाना है तथा उसके प्रति सदैव समर्पित भाव रखते हुए निरंतर प्रगतिशील बनाना है।

हमारी भारतीय संस्कृति जो पहले से ही उत्कर्ष व वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से ओतप्रोत रही है उसी को ध्यान में रखकर लिखा गया हमारा संविधान जिसमें उस समय 395 आर्टिकल, 8 अनुसूचियाँ थी। जो 22 भागों में चर्म पत्र पर लिखी गयी थी ताकि 1000 साल बाद भी वह अपना मूल स्वरूप ना खोए।

हमारा संविधान जनता के हित में तैयार किया गया तंत्र है। साथ ही हमारी भारतीय संस्कृति, मर्यादाएं जो अक्षुण्ण थी, है और रह सके इसलिए नीति सिद्धांतों के आधार स्तम्भ पर इसे निर्मित किया गया है। हमारे यहाँ जाति, धर्म से उठकर सभी को बराबरी के मौलिक अधिकार प्रदान किए गए है।

हमारे देश में कानून के अंतर्गत कोई भी छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व ऊँच-नीच नहीं है बल्कि इन सबसे बढ़कर सभी समान अधिकारों से युक्त हो, समानता के अधिकारी है। हमारे देशवासियों को पूर्ण अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है। विधि के अंतर्गत सभी अपनी गलतियों के लिए एक समान दण्ड के अधिकारी भी है। यहाँ बड़ी बात इसलिए भी है कि हमारे देश की संस्कृति में इतने बहुआयामी विविधता के रंगों का समावेश है।

जहाँ विश्व की द्वितीय सबसे अधिक जनशक्ति रहती है। जहाँ हर 5 कि.मी. पर भाषा, खानपान, नृत्य, संगीत, गायन, वादन, कलाएं व पहनावा बदल जाता है तो ऐसी बहुरंगता में इतनी कानून कायदों की समानता होना अपने आप में अद्वितीय ही है। इसका यहीं गुण तो हमारे महान संविधान के गुणगान गाने को स्वतः प्रेरित करता है। हमें चाहिए कि देश के निरंतर विकास के लिए हम और विशेषतः युवा पीढ़ी अग्रणी बने क्योंकि किसी भी देश की उन्नति का सबसे बड़ा कारक वहाँ के युवा ही होते है। हम इस बात में भी विश्व में सबसे अधिक भाग्यशाली है कि हमारे यहाँ युवा पीढ़ी की आबादी सबसे अधिक है और इसलिए भारत भी युवा है। हमारे देश से शिक्षित युवा ना केवल देश में अपितु पूरे विश्व में अपने ज्ञान से उन्नत सेवाएँ दे रहे है। हमारी आर्थिक उन्नति के लिए भी हमारा युवा वर्ग बहुत बड़ा कारण है।

इसके अलावा हमारे देश में प्रकृति ने जो अनमोल व उत्तम उपहार प्रदान किए है उससे भी हमारे देश की उन्नति हो रही है, हमारे यहाँ के हैरिटेज व्यापार विश्वव्यापी स्वरूप ले रहे है, हमारे देश का कृषि प्रधान होना भी हमारी समृद्धि को चार चाँद लगाता है।

हमारे यहाँ की संस्कृति की महानता पूरा विश्व मानता है। जो करोनाकाल में हमने प्रत्यक्ष रूप से देखी भी है। हम सदैव सभी धर्मो का आदर करते हुए, सकल मानवजाति को सम्यक रूप से देखते हैं।

कुछ विघ्नसंतोषी ताकतों के कारण हमारे देश की अखण्डता, खण्डित हुई और अनेक पड़ोसी देश जैसे- बांगलादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आदि बन गए। हमारा अखण्ड भारत खण्ड-खण्ड हुआ। जो हम भारतीयों के लिए शोकग्रस्त व घातक भी बना। हमारे यहाँ लगभग 60 सालों में देश में प्रजातंत्र होने के बाद भी राजतंत्र जैसी स्थितियाँ दर्शनीय रही।

फिर देश के महापुरुषों ने एक ऐसे संघ को स्थापित किया जिससे देश सही मायने में संगठित होने की दिशा में बढ़ा। यहाँ वास्तविक एकता की भावना पर जोर दिया गया। जो भारत अपनी धर्म, भाषा, संस्कृति के महत्व को भूल सुप्तावस्था में जा रहा था उसे जागृत करने में संघ ने महत्ती भूमिका का निर्वहन किया।

आज भारत की धर्म, संस्कृति का युवा पीढ़ी में पुनः उदय हो रहा है। जो नवचेतना से नवभारत का अप्रतीम उदाहरण बन रहा है। संघ के नियमों से जन-जन में देशभक्ति की भावना बढ़ रही है। संघ संविधान का आदर करते हुए गणतंत्र के सही मायने सिखा रहा है। उससे जनता संविधान में लिखित अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है और वास्तविक लोकतंत्र के महत्व को जान रही है।

अब जो लहरे संघ विचारधारा के रूप में उठी है वह अपने क्रियाकलापों व देशसेवा भावना से अखण्ड भारत के सपने को साकार करने में लगी है। संघ द्वारा लोक संस्कृति को बलवती करने के लिए निरंतर प्रयास हो रहे है जिससे वह दिन भी दूर नहीं होगा जब हम पुनः विश्वगुरू बन विश्व का मार्ग दर्शन करेंगे।

अभी हमने चलना शुरू ही किया है तो देश प्रगति के मार्ग पर है। प्रतीक्षा है उस दिन की, कि जब हम दौड़े और विश्व आदर से हमारे पथ का अनुगमन करें।

अब अंत में इतना ही ....

'हम हमारे भारत वर्ष का सम्मान करते हैं,
सदा अपनी मातृभूमि का गुणगान करते हैं,
देवभूमि देश है जहाँ राम,कृष्ण जन्म लेते,
गर्व हमें, हम भू के स्वर्ग पर निवास करते हैं।'

भारतीय ध्वज संहिता से जानिए राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और फहराने का तरीका

चक्र : इस धर्म चक्र को विधि का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है।

ध्वज संहिता : 26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्?वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते हैं। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें।

सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।

26 जनवरी 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए

क्या करें

* राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों आदि) में ध्वज को सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गई है।

* किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है।

* नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

क्या न करें

* इस ध्वज को सांप्रदायिक लाभ, पर्दे या वस्त्रों के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो इसे मौसम से प्रभावित हुए बिना सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाना चाहिए।

* इस ध्वज को आशय पूर्वक भूमि, फर्श या पानी से स्पर्श नहीं कराया जाना चाहिए। इसे वाहनों के हुड, ऊपर और बगल या पीछे, रेलों नावों या वायुयान पर लपेटा नहीं जा सकता।

* किसी अन्य ध्वज या ध्वज पट्ट को हमारे ध्वज से ऊंचे स्थान पर लगाया नहीं जा सकता है। तिरंगे ध्वज को वंदनवार, ध्वज पट्ट या गुलाब के समान संरचना बनाकर उपयोग नहीं किया जा सकता।

मेरा देश मेरी पहचानः कैसा देश चाहते हैं आप ?

भारत को सर्वगुण संपन्न देश बनाने के लिए एक ओर तो हमें विषमता व शोषण वाली ताकतों से संघर्ष करना होगा तथा साथ ही अपने जीवन को इन आदर्शों के अनुकूल बनाना होगा। आइए जानें 30 खास महत्वपूर्ण बातें...

(1) हम ऐसा देश चाहते हैं जिसमें सभी लोगों को भरपेट पौष्टिक भोजन मिले, साफ पेयजल मिले।

(2) सभी लोगों को सर्दी-गर्मी व बरसात से रक्षा करने वाले और सफाई की उचित व्यवस्था वाले घर और वस्त्र मिलें।

(3) सभी बच्चों को शिक्षा के उचित खुशहाल अवसर मिलें। जो अशिक्षित वयस्क लोग साक्षर होना चाहते हैं उन्हें साक्षरता के पर्याप्त अवसर मिलें।

(4) बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सब लोगों को उपलब्ध हों। दवा उद्योग मुनाफे पर आधारित न होकर जरूरतों पर आधारित हों। रोगों की रोकथाम व दुर्घटनाओं को कम करने को प्राथमिकता मिले।

(5) गरीब से गरीब व कमजोर से कमजोर व्यक्ति को आगे जाने का अवसर मिले। इतिहास के सैकड़ों वर्षों में जिनसे अन्याय हुआ है उन अनुसूचित जातियों व जनजातियों, अन्य बहुत पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं को अधिक अवसर देने की विशेष व्यवस्था की जाए। छुआछूत को जड़ से समाप्त किया जाए। विकलांग व्यक्तियों को विशेष अवसर मिले व समाज उनकी जरूरतों पर ध्यान दें।

(6) गांवों व कृषि को प्राथमिकता दी जाए। गांवों के आत्मनिर्भर विकास पर जोर दिया जाए। सूखे, बाढ़ से अधिक प्रभावित रहने वाले या अन्य कारणों से अधिक गरीब गांवों पर विशेष ध्यान दिया जाए। गांव के जल, जंगल, जमीन, लघु खनिज आदि संसाधनों पर गांव का अधिकार हो। ग्रामसभा में सभी वयस्क गांववासियों की बराबर व सक्रिय जिम्मेदारी हो। गांव के जल, जंगल, मिट्टी, पत्थर पर आधारित सबको संतोषजनक आजीविका मिले, वे इन सब संसाधनों की रक्षा करें।

(7) समता व सादगी को आर्थिक-सामाजिक विकास का आधार बनाया जाए।

(8) बुनियादी उद्योगों, खाद्य, दवा आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जाए।

(9) हवा, पानी को साफ रखने व प्रदूषण से बचाने के निष्ठावान प्रयास किए जाएं।

(10) जमीन का उपजाऊपन से बचाने, वनों व चारागाहों की रक्षा करने, हरियाली बढ़ाने, पानी का संरक्षण और संग्रह करने के विशेष प्रयास किए जाएं।

(11) जहां तक संभव हो विस्थापन वाली परियोजनाओं के विकल्प खोजे जाएं। जहां विस्थापन डाला न जा सके, वहां विस्थापितों से पूर्ण न्याय के बाद ही उन्हें हटाया जाए।

(12) भूमिहीन खेत मजदूरों को जमीन दी जाए। जिन किसानों की जमीन बहुत कम हो गई है, हो सके तो उन्हें भी जमीन दी जाए। ग्रामीण दस्तकारों के रोजगार की रक्षा हो। किसी भी कारखाने को बंद करना हो तो मजदूरों से पूर्ण न्याय हो। किसी को अचानक बेरोजगारी में न धकेला जाए।

(13) किसी को ऐसे कार्य करने के लिए मजबूर न होना पड़े जो उसके स्वास्थ्य व इज्जत पर आघात करें।

(14) छोटे शहरों व कस्बों के विकास पर अधिक ध्यान दिया जाए, जिससे महानगरों की झोपड़ियों व फुटपाथों पर रहने की मजबूरियों से लोग बचें। सभी शहरों के विकास में गरीब लोगों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए। विलासिता व चमक-दमक के स्थान पर सफाई और बुनियादी जरूरतों को महत्व दिया जाए।

(15) अर्थव्यवस्था में हम गरीब देशों व विकासशील देशों में हो रहे बहुतरफा अन्याय का विरोध करें व विश्व शांति के लिए प्रयास करें। पड़ोसी देशों से संबंध अच्छे रखने का पूरा प्रयास करें, पर साथ ही किसी हमले या किसी आतंकवाद का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयारी में रहें।

(16) सभी तरह के हथियारों को कम करने व नाभिकीय हथियारों को पूरे विश्व में समाप्त करने के प्रयास करें।

(17) सभी धर्मों के अनुयायी अपने धर्म को मानने को स्वतंत्र हों पर किसी अन्य धर्म के विरुद्ध कुछ न कहें।

(18) सभी जीव-जंतुओं के प्रति करुणा की भावना विकसित हो। लोगों के सहयोग से लुप्त हो रहे जीव-जंतुओं की रक्षा की जाए। कृषि पशुओं व डेयरी पशुओं के प्रति कोई क्रूरता न हो। जहरीली दवाओं से पशु-पक्षी न मारे जाएं। शाकाहारिता को प्रोत्साहित किया जाए।

(19) सब तरह के नशे व धूम्रपान के विरुद्ध जन जागृति उत्पन्न की जाए।

(20) ऐसी नीतियां अपनाई जाएं जिनसे गांव-मोहल्ले के स्तर पर आपसी भाईचारा, परिवारों की एकता व प्यार बढ़े, बच्चों तथा वृद्धों का विशेष ख्याल रखा जाए। महिलाओं को गरिमामय स्थान मिले।

वैलेंटाइन डे पर फिर से रिलीज होगी ऑरेंज

पैन इंडिया स्टार राम चरण इन दिनों अपनी फिल्म गेम चेंजर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। साल 2010 में रिलीज हुई राम की फिल्म ऑरेंज को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है।

ग्लोबल स्टार राम चरण ने कथित तौर पर कई मौकों पर बताया है कि ऑरेंज उनकी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। भले ही यह व्यावसायिक रूप से असफल रही हो। 2010 की रोमांटिक ड्रामा ऑरेंज को इस वैलेंटाइन डे पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में वापस लौट रही है। ऑरेंज 2010 की भारतीय तेलुगु भाषा की एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसे भास्कर ने लिखा और निर्देशित और के. नागा बाबू द्वारा निर्मित है। फिल्म में राम चरण तेजा , जेनेलिया और शाजान पद्मसी ने अहम भूमिका निभाई है जबकि प्रभु और प्रकाश राज सहायक भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म, जिसका संगीत हैरिस जयराज ने तैयार किया था और 26 नवंबर 2010 को रिलीज हुई थी। यह फिल्म रिलीज होने पर बॉक्स ऑफिस पर असफल रही, लेकिन समय के साथ एक कल्ट फिल्म बन गई। इसे 2011 में तमिल में राम चरण के रूप में और इसका मलयालम डब संस्करण है, जो 18 अप्रैल 2012 को रिलीज किया गया।

गेम चेंजर हुई फ्लॉप

राम चरण की गेम चेंजर भी बॉक्स ऑफिस पर फेल होती नजर आ रही है। फिल्म ने पहले दिन 51 करोड़ रुपये के कलेक्शन से शुरुआत की, लेकिन इसके बाद फिल्म की कमाई लगातार घटती गई। पहले हफ्ते फिल्म ने कुल 117 करोड़ 65 लाख रुपये। फिल्म ने 12वें दिन महज 9 लाख रुपये का कलेक्शन किया और बुधवार को 13वें दिन फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सिर्फ 8 लाख रुपये में सिमट कर रह गया। वहीं आज की बात करें तो 14वें दिन फिल्म ने अभी तक 19 लाख रुपये की कमाई की है, जो पूरे दिन के हिसाब से बदल सकता है। कुल मिलाकर गेम चेंजर की अभी तक कमाई 128 करोड़ 29 लाख रुपये हो गई है।

सामंथा ने बताया इस ट्रिक को फॉलो कर बुरे वक्त से निकलीं

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी कुछ टिप्स शेयर की हैं, जिन्होंने उन्हें जीवन की परेशानियों से निपटने में मदद की। सामंथा अपने तलाक और फिर बीमारी को लेकर काफी चर्चा में रही हैं। हाल ही में सामंथा को सिटाडेल हनी बनी में देखा गया।

इस टिप को करती हैं फॉलो

सामंथा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसमें उन्होंने बताया कि पिछले दो साल से एक छोटा सा रिचुअल या ट्रिक जरूर फॉलो करती हैं, जिसने उन्हें कुछ सबसे मुश्किल पलों से बाहर निकाला है।

दी फैंस को सलाह

सामंथा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि अगर आपको लिखना आता है और आपको लिखना पसंद है, तो हमेशा उन तीन चीजों के बारे में लिखें, जिसने आपको उस दिन खास बने रहने में मदद की। बस आपको ईमानदारी से काम करना चाहिए।

खुद को कहें धन्यवाद

अपने मन की बातें अपने दोस्त से कहें जो आपको सुनता है। कभी-कभी, अपने दिल में एक शांत धन्यवाद के साथ बैठना भी पर्याप्त होता है। यह छोटा सा अभ्यास आपको बेहतर महसूस करवाने में मदद करेगा। इसे आजमा के देखें, चीजें जरूर बदलेंगी सामंथा ने अपने फैंस से फीडबैक भी मांगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करके देखें और मुझे बताएं कि आपको कैसा महसूस हुआ। साथ ही आज आप किस बात को सोच कर आभारी महसूस कर सकते हैं।

सिटाडेल में नजर आईं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु पिछले साल सिटाडेल हनी बनी में नजर आईं। अभिनेत्री ने अपनी फिल्म को लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं। वहीं, सामंथा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी बहुत चर्चा में रहीं। सामंथा की बीमारी को लेकर भी उनके सह कलाकार वरुण धवन ने बात की।

बिना शादी के अकेले जिंदगी बिताना चाहती हैं शिल्पा शिंदे

बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया वो शादी नहीं करना चाहती और पूरी जिंदगी अकेले बिताना पसंद करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सही इंसान मिला, तो जरूर शादी कर लेंगी। एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने टेली टॉक को दिए इंटरव्यू के दौरान अपने मैरिज प्लान को लेकर बातचीत की है। एक्ट्रेस ने कहा- मैंने अपने आप को कभी ब्लॉक नहीं किया कि मुझे अकेला ही रहना है। मैंने ये भी नहीं सोचा कि मुझे किसी से शादी ही करनी है। अगर मुझे लगता है कि कोई सही इंसान मिला, तो मैं जरूर शादी कर लूंगी। शिल्पा शिंदे ने आगे बताया- मैं उस तरह की लड़की नहीं हूं जो लिविंग रिलेशनशिप में रहने के बाद भी उसे रिलेशनशिप का नाम ना दे। अगर ऐसा कोई रिश्ता है तो उसे एक नाम देना चाहिए, लेकिन यह नहीं मानती कि शादी सबकुछ है। आज कल लोग शादी का मतलब ही नहीं समझते। पति-पत्नी के बीच काम्पिटिशन शुरू हो गया है। बता दें कि शिल्पा शिंदे की टीवी एक्टर रोमित राज संग सगाई हुई थी, हालांकि कुछ समय बाद दोनों ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए। शिल्पा और रोमित राज की मुलाकात सीरियल मायका (2007-2009) के दौरान हुई थी। रोमित उम्र में शिल्पा से तीन साल छोटे थे। दोनों में प्यार हुआ और फिर 2009 में दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने 29 नवंबर 2009 को गोवा में शादी करने का फैसला किया था, लेकिन शादी से दो दिन पहले ही शिल्पा ने शादी न करने का फैसला किया था।

राहिल आजम के साथ भी जुड़ा था नाम

इससे पहले शिल्पा शिंदे का नाम राहिल आजम के साथ जुड़ा था। राहिल और शिल्पा ने सबसे पहले सीरियल भाभी (2002-2008) में साथ काम किया था। इसके बाद दोनों सीरियल हातिम (2003) में भी नजर आए थे। कुछ दिन साथ रहने के बाद दोनों आपसी सहमति से अलग हो गए थे।

एक साथ फिल्माई जाएंगी मिर्जापुर फिल्म और सीरीज

इस दिन से शूटिंग शुरू करेंगे पंकज त्रिपाठी-अली फजल

पिछले साल अक्तूबर में निर्माताओं ने मिर्जापुर- द फिल्म की घोषणा की, जिससे लोकप्रिय क्राइम ड्रामा पहली ओटीटी सीरीज बन गई, जिसे एक फिल्म के रूप में भी बनाया जाएगा। वहीं, अब इस सीरीज की शूटिंग को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म के साथ-साथ पंकज त्रिपाठी, अली फजल और श्वेता त्रिपाठी शर्मा अभिनीत सीरीज के चौथे सीजन की शूटिंग सितंबर 2025 से एक साथ की जाएगी।

एक साथ ले ली गईं सभी कलाकारों की तारीखें

एक फिल्म और एक सीरीज को एक साथ शूट करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निर्माताओं ने यह मानते हुए योजना बनाई कि कथात्मक में निरंतरता होगी। साथ ही तारीखों का भी अच्छी तरह से इस्तेमाल किया जाएगा। दिव्येंदु, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल और विजय वर्मा सहित अभिनेताओं से पहले ही बल्क डेट्स ले ली गई हैं। टीम उनकी तारीखों को सही तरीके से इस्तेमाल करने की योजना बनाने में कामयाब रही है, चूंकि उनसे बार-बार तारीखें लेना समझदारी नहीं है, इसलिए निर्माताओं ने दोनों प्रोजेक्ट्स को एक साथ शूट करने का फैसला किया है।

उत्तर प्रदेश में होगी शूटिंग

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो शूटिंग उत्तर प्रदेश में शुरू होगी। इसका एक हिस्सा मुंबई में भी फिल्माया जाएगा। कलाकारों और क्रू के लिए एक ही समय में दो अलग-अलग प्रारूपों पर काम करना एक रोमांचक चुनौती होगी। गुरमीत इस फिल्म का निर्देशन करेंगे, जिसे पुनीत कृष्णा ने लिखा है, जो शो के निर्माता के रूप में काम करते हैं।

सैफ अली खान को ट्रोल करने वालों को पूजा भट्ट का जवाब

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। डिस्चार्ज होने के बाद खुद चलकर अपने घर आए। अभिनेता ने व्हील चेयर पर न आकर खुद चलकर आए। इसे लेकर लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। इस पर अब पूजा भट्ट ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। साथ ही उनके धैर्य की सराहना भी की है।

सैफ अली खान को किया ट्रोल

इंटरव्यू में पूजा भट्ट ने कहा कि सैफ अली खान को छुट्टी मिलने के बाद उन्हें लगातार ट्रोल किया जा रहा है। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कमजोर स्थिति में मदद मांगने के लिए कितनी ताकत की जरूरत होती है और ठीक होने के लिए उनके दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की।

दिया साहस का परिचय

पूजा भट्ट ने कहा, लेकिन क्या ये लोग यह नहीं भूलते कि उन्होंने अस्पताल में खुद चलकर जाने के लिए भी उनकी प्रशंसा की थी? एक व्यक्ति जो घायल, दर्दनाक स्थिति में खुद को अस्पताल में भर्ती कराता है, निश्चित रूप से उसके पास खुद अस्पताल से बाहर निकलने का साहस होता है। हमें साजिश रचने वालों का सहारा लेने के बजाय इसकी सराहना करनी चाहिए।

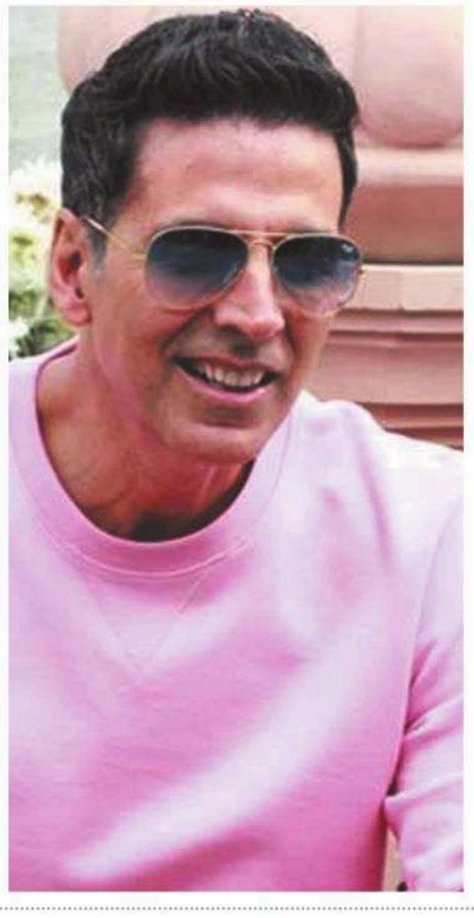

हॉलीड से लेकर बेबी तक, स्काई फोर्स ने पहले भी अक्षय कई बार दिखा चुके हैं देशभक्ति का जज्बा

अक्षय कुमार ने अपने करियर की शुरुआत एक एक्शन स्टार के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने कॉमेडी में भी अपनी छाप छोड़ी और अब वह देशभक्ति से भरपूर फिल्मों के लिए सबसे प्रमुख अभिनेता बन गए हैं। समय के साथ उन्होंने उन किरदारों को भी निभाया है जो या तो सेना के अधिकारी होते हैं या फिर समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक। उनकी आगामी फिल्म स्काई फोर्स से पहले आज हम अक्षय की उन फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं जो देशभक्ति की भावना पर आधारित हैं।

हॉलीडे

अक्षय कुमार की यह फिल्म उनके देशभक्ति यात्रा के शुरुआती दिनों में आई थी। फिल्म में वह एक भारतीय सेना के सैनिक के रूप में आतंकवादियों से अपने शहर को बचाते नजर आते हैं। ए आर मुरुगदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म लोगों को खूब पसंद आई थी।

केसरी

केसरी फिल्म सारागढ़ी की ऐतिहासिक लड़ाई पर आधारित है, जिसमें अक्षय कुमार हवलदार ईशर सिंह के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म में अक्षय का किरदार को एक ऐसे नायक के रूप में चित्रित किया गया है, जो न केवल बहादुर है, बल्कि उसके पास मजबूत नैतिक मूल्य और ईमानदारी भी है।

मिशन मंगल

इस फिल्म में अक्षय कुमार ने इसरो के वैज्ञानिक राकेश धवन का किरदार निभाया है। फिल्म देशभक्ति की भावना से भरपूर है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया था। लोगों ने भी फिल्म की कहानी और इसके कलाकारों के अभिनय को काफी ज्यादा सराहा था।

गोल्ड

यह फिल्म 1948 के ओलंपिक में भारत की हॉकी टीम को लेकर बुनी गई कहानी पर आधारित है। अक्षय कुमार ने एक बंगाली कोच की भूमिका निभाई थी। फिल्म में मौनी रॉय भी नजर आई थीं।

एयरलिफ्ट

अक्षय कुमार की फिल्म एयरलिफ्ट में वह एक भारतीय व्यापारी में नजर आए थे, जो युद्धग्रस्त कुवैत से अपने देशवासियों को सुरक्षित निकालने की कोशिश करता है। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सुपरहिट रही थी।

बेबी

इस फिल्म में अक्षय कुमार आतंकवाद से लड़ते नजर आते हैं। फिल्म में उनके किरदार को काफी सराहना मिली थी। नीरज पांडे के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कारोबार करने में सफल रही थी।

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों में अक्षय कुमार सैनिक के रूप में नजर आए थे। इस फिल्म में उनकी अदाकारी के साथ उनके संवाद भी काफी ज्यादा लोकप्रिय हुए थे। फिल्म में बॉबी देओल और अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिकाओं में थे।

छावा का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं

रश्मिका मंदाना ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा कि मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें इस फिल्म का हिस्सा बनने पर बहुत खुश हैं। रश्मिका मंदाना ने कहा मैं बहुत आश्चर्यचकित थी कि लक्ष्मण सर ने कैसे मुझे इस किरदार के लिए चुना। इस किरदार के बारे में मुझे ज्यादा नहीं पता था, इसके लिए बहुत प्रैक्टिस और रिहर्सल किया, ताकि हम अपना बेस्ट दे सकें। रश्मिका ने बताया कि सेट में सभी लोग मुझे महारानी कह कर ही बुलाते हैं निर्देशक लक्ष्मण उतेकर को लेकर रश्मिका ने कहा, वे बहुत अच्छे हैं, इस बीच लक्ष्मण सर बहुत शांति से काम करते हैं। ये फिल्म 14 फरवरी को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है ट्रेलर लॉन्च के दौरान रश्मिका मंदाना अपने टूटे पैर के साथ पहुंचे, इस दौरान विक्की ने उनका हाथ थामे लगा रखा।

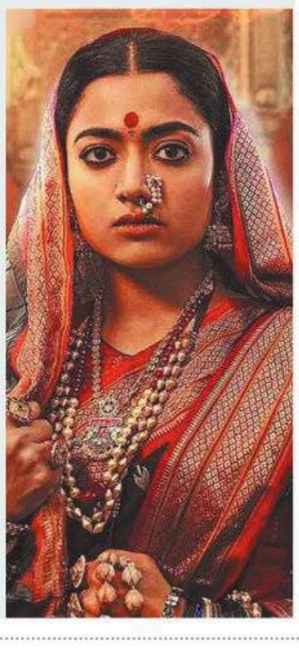

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267